



# रॉयल पत्रिका

## संपादकीय....

### यदि डॉ. आंबेडकर प्रधानमंत्री होते?

नेहरू की जगह सरदार पटेल पी.एम. होते तो देश के हालात कुछ और होते। ये सवाल नेहरू या कांग्रेस से नाराज हर नेता या राजनीतिक दल खासकर संघी/जनसंघी/ भाजपायी हमेशा उठाते रहे हैं। लेकिन इस सवाल को किसी ने कभी नहीं उठाया कि अगर नेहरू की जगह डॉ. आंबेडकर पी.एम. होते तो हालात कुछ और होते?

भारत के सामाजिक, राजनीतिक और संवैधानिक इतिहास में डॉ. भीमराव आंबेडकर का नाम एक अमिट हस्ताक्षर है। वे भारतीय संविधान के निर्माता, दलितों के अधिकारों के सशक्त पैरोकार और आधुनिक भारत के सामाजिक न्याय के सबसे प्रखर प्रवक्ता थे। परंतु एक प्रश्न अक्सर बौद्धिक मंचों, लेखकों और युवाओं के बीच उठाता है—यदि डॉ. आंबेडकर भारत के प्रधानमंत्री होते, तो देश का स्वरूप कैसा होता? यह प्रश्न केवल एक कल्पना नहीं, बल्कि एक गंभीर सामाजिक-राजनीतिक विमर्श का विषय है। स्वतंत्र भारत के निर्माण की नींव में डॉ. आंबेडकर की सोच, दृष्टिकोण और क्रांतिकारी नीतियों की झलक पहले ही दिख चुकी है, लेकिन अगर उन्हें देश की बागडोर सर्वोच्च कार्यकारी शक्ति के रूप में मिलती, तो शायद कई स्तरों पर देश की दिशा ही कुछ अलग होती।

#### सामाजिक-न्याय की प्राथमिकता

डॉ. आंबेडकर के प्रधानमंत्री बनने का सबसे बड़ा प्रभाव सामाजिक न्याय के क्षेत्र में दिखता। उन्होंने अपने पूरे जीवन में वंचित वर्गों, विशेषकर दलितों, आदिवासियों और पिछड़े वर्गों के सामाजिक उत्थान के लिए संघर्ष किया। अगर वे प्रधानमंत्री होते, तो ये वर्ग केवल 'आरक्षण' के सहारे नहीं, बल्कि सशक्तिकरण के ठोस कार्यक्रमों के माध्यम से मुख्यधारा में आते। शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार उनके शासन की पहली प्राथमिकता होती। वे बार-बार कहते थे, "शिक्षित बल, संगठित रहो और संघर्ष करो।" अतः उनकी नीतियों में शिक्षा की गुणवत्ता और सुलभता को सबसे ऊपर रखा जाता। सरकारी विद्यालयों, छात्रावासों और उच्च शिक्षा संस्थानों में जाति आधारित भेदभाव के खिलाफ कड़े कानून बनते और शिक्षा को सामाजिक परिवर्तन का औज़ार बनाया जाता।

**जाति उन्मूलन की ठोस पहल**  
आंबेडकर का स्पष्ट मानना था कि जाति-प्रथा भारतीय समाज का सबसे बड़ा शत्रु है। प्रधानमंत्री बनने पर वे इस 'जातिवादी ढांचे' को कानूनी और सामाजिक दोनों

स्तरों पर तोड़ने के लिए व्यापक अभियान चलाते। हो सकता है कि जाति आधारित जनगणना को समाप्त कर समान नागरिक संहिता को लागू करने का प्रयास वे बहुत पहले कर चुके होते। जाति-आधारित घृणा अपराधों पर सख्त दंडात्मक प्रावधान होते, और सामाजिक समरसता को विद्यालयों के पाठ्यक्रमों में भी शामिल किया जाता। वे केवल दलित उत्थान की बात नहीं करते, बल्कि संपूर्ण समाज को बराबरी के आधार पर खड़ा करने की दिशा में ठोस कदम उठाते।

#### आर्थिक दृष्टिकोण: वंचितों की भागीदारी

डॉ. आंबेडकर अर्थशास्त्र में प्रशिक्षित थे और उन्होंने कोलंबिया यूनिवर्सिटी से पीएचडी की थी। उनका मानना था कि आर्थिक विकास तभी संभव है जब उसमें समाज के सबसे कमजोर वर्गों की भी भागीदारी हो। प्रधानमंत्री बनने पर वे भूमि सुधार, मजदूर अधिकार, और उद्योगों में समान अवसर की नीति को प्राथमिकता देते। उन्होंने रिजर्व बैंक की स्थापना में भी अहम भूमिका निभाई थी, इसलिए आर्थिक नीतियों में उनका दृष्टिकोण आत्मनिर्भरता और संतुलित औद्योगिकीकरण पर आधारित होता। वे देश को आत्मनिर्भर बनाने की ओर ले जाते, लेकिन पूंजीपतियों के स्वार्थ के बजाय आम जनता की जरूरतों को ध्यान में रखते।

#### धर्मनिरपेक्षता और समानता की पुनर्परिभाषा

डॉ. आंबेडकर धर्म के नाम पर किसी भी प्रकार के विशेषाधिकार या भेदभाव के खिलाफ थे। यदि वे प्रधानमंत्री होते, तो शायद धर्मनिरपेक्षता की अवधारणात्मक रूप से ज्यादा मजबूत और व्यावहारिक रूप में गढ़ा जाता। वे यह स्पष्ट रूप से कहते थे कि "मैं ऐसे धर्म को मान्यता नहीं देता जो मानवता का अपमान करें।" अतः धार्मिक कट्टरता, सांप्रदायिक राजनीति और धार्मिक संस्थाओं की अति-सत्ता पर लगाम लगती। व्यक्तिगत आस्था को सम्मान देते हुए वे इसे सार्वजनिक नीति से अलग रखने की नीति पर चलते।

#### राजनीतिक सुधार और लोकतांत्रिक अनुशासन

डॉ. आंबेडकर लोकतंत्र के न केवल संरक्षक थे, बल्कि इसके मूलभूत सिद्धांतों—जवाबदेही, पारदर्शिता और लोक कल्याण—के भी प्रबल समर्थक थे। प्रधानमंत्री बनने पर वे दलों की भीतर लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत करते और वोट बैंक की राजनीति को हतोत्साहित करते।

## सैयद मोहम्मद शरफुद्दीन कादरी स्वतंत्रता आंदोलन के प्रमुख कार्यकर्ता

सैयद मोहम्मद शरफुद्दीन कादरी का जन्म 25 दिसम्बर 1901 को भारतीय राज्य बिहार के नवादा जिले कुमरवा में यूनानी चिकित्सक मोहम्मद मोहिबुद्दीन के घर हुआ था। कुछ सालों बाद वो कलकत्ता चले गए और फिर ताउम्र वहीं रहे। सैयद मोहम्मद शरफुद्दीन कादरी ने अपने पिता से यूनानी चिकित्सा पद्धति सीखकर अपने अध्यास के ज़रिए अपने पिता की मदद की। इस दौरान वो भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में भी शामिल हुए। 1930 में नमक मार्च में महात्मा गांधी जी के साथ थे और ब्रिटिश हुकूमत द्वारा कटक जेल में कैद किये जाने पर बड़े नेताओं के साथ जेल में रहे। राजेन्द्र प्रसाद के साथ उनका जुड़ाव बहुत था। उन्होंने एक चिकित्सा पत्रिका हिकमत ए बांग्ला निकाली जिसके वो संपादक थे, जो यूनानी चिकित्सा पद्धति पर केंद्रित एक चिकित्सा पत्रिका थी। जिसके जरिये यूनानी चिकित्सा पद्धति को आम करने के लिए कड़ी मेहनत की। सैयद शरफुद्दीन

कादरी ने औपनिवेशिक भारत के विभाजन की वकालत करने वाले द्वि-राष्ट्र सिद्धांत का विरोध किया। 1994 में उन्होंने कलकत्ता यूनानी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल की स्थापना में सैयद फैज़ान अहमद की सहायता की। राष्ट्र के प्रति समर्पित इस राष्ट्रवादी कार्यकर्ता, महात्मा गांधी वादी विचारक और यूनानी चिकित्सा पद्धति के लिए देश भर में मशहूर सैयद मोहम्मद शरफुद्दीन कादरी को भारत सरकार ने 2007 में पद्म भूषण के नागरिक सम्मान से सम्मानित किया गया। 30 दिसम्बर 2015 को 114 वर्ष की आयु में कोलकाता में उनके रिपन स्ट्रीट निवास पर उनकी मृत्यु हो गई। देश की एकता अखण्डता और उसके सम्मान के लिए किए जा चुके अनेक सम्मान को देश के तीसरे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म भूषण से सम्मानित किया।

# ईरान-इज़राइल युद्ध में अमेरिका की भूमिका: मित्रता या वैश्विक दबदबा?

पश्चिम एशिया एक बार फिर युद्ध की आग में झुलस रहा है। इस बार टकराव के केंद्र में हैं दो कट्टर दुश्मन—ईरान और इज़राइल। वर्षों से छिपी दुश्मनी अब खुली जंग में तब्दील हो चुकी है। लेकिन इस बार हालात पहले से ज़्यादा गंभीर इसलिए हो गए क्योंकि इस संघर्ष में एक बार फिर अमेरिका कूद पड़ा है। अमेरिका की इस प्रत्यक्ष या परोक्ष संलिप्तता ने दुनिया भर में यह सवाल खड़ा कर दिया है कि आखिर अमेरिका को इस युद्ध में शामिल होने की ज़रूरत क्यों पड़ी?



अमेरिका का हस्तक्षेप: अचानक नहीं, बल्कि रणनीतिक अमेरिका का पश्चिम एशिया में दखल कोई नया नहीं है। इराक युद्ध हो, अफगानिस्तान से वापसी, या सीरिया में हस्तक्षेप—हर मोर्चे पर अमेरिका ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई है। लेकिन इरान-इज़राइल टकराव में उसका कूदना एक रणनीतिक निर्णय है, जो कई परतों से जुड़ा हुआ है। यह हस्तक्षेप केवल एक सहयोगी देश (इज़राइल) को बचाने के लिए नहीं है, बल्कि इसके पीछे अमेरिका के दीर्घकालिक भू-राजनीतिक, सामरिक और आर्थिक हित छिपे हैं।

#### इज़राइल-अमेरिका: एक अनौपचारिक सैन्य गठबंधन

इज़राइल और अमेरिका के संबंधों को केवल "मित्रता" कहना पर्याप्त नहीं होगा। यह एक ऐसा संबंध है जिसे रणनीति, सैन्य सहयोग, और विचारधारा की एकता से दशकों से मजबूत किया है। अमेरिका हर वर्ष इज़राइल को लगभग 3.8 अरब डॉलर की सैन्य सहायता देता है। इज़राइल की 'Iron Dome' जैसी सुरक्षा प्रणालियों में अमेरिकी तकनीकी और आर्थिक निवेश है। दोनों देशों की गुप्तचर एजेंसियां लगातार सूचनाओं का आदान-प्रदान करती हैं। इस गठबंधन का मतलब है कि

इज़राइल पर कोई भी हमला अमेरिका के रणनीतिक हितों पर सीधा हमला माना जाता है। यही कारण है कि जब इरान ने प्रत्यक्ष या अपनै सहयोगी गुटों के माध्यम से इज़राइल पर मिसाइल या ड्रोन से हमला किया, तो अमेरिका ने इसे "रेड लाइन" मानते हुए कार्रवाई की। इरान का परमाणु कार्यक्रम: स्थायी संकट की जड़ इरान का विवादित परमाणु कार्यक्रम अमेरिका की वर्षों पुरानी चिंता का विषय है। अमेरिका को आशंका है कि यदि इरान के पास परमाणु हथियार आ गए, तो न केवल इज़राइल की सुरक्षा संकट में पड़ जाएगी बल्कि पूरा क्षेत्र अस्थिर हो जाएगा। 2015 में हुए Joint Comprehensive Plan of Action (JCPOA) समझौते से अमेरिका पहले बाहर हो चुका है।

अब इरान यूरेनियम संवर्धन को 80% से ऊपर ले गया है, जो हथियार निर्माण की दिशा में खतरनाक संकेत है। अमेरिका की नीति स्पष्ट है—इरान को किसी भी कीमत पर परमाणु शक्ति नहीं बनने देना। और अगर इसके लिए सैन्य कार्रवाई करनी पड़े तो वह पीछे नहीं हटेगा। इरान और इज़राइल के टकराव का सीधा असर तेल बाजारों पर पड़ता है। इरान के तटीय इलाकों से होकर गुजरने वाला हॉर्मूज़ जलडमरूमध्य विश्व के तेल व्यापार की नाड़ी है। इस मार्ग से वैश्विक तेल का लगभग 20% सप्लाई होता है। अगर इरान इसे बंद करता है, तो तेल कीमतें आसमान छू सकती हैं, जिससे अमेरिकी और वैश्विक बाजार प्रभावित होंगे। इसलिए अमेरिका की कोशिश है

कि यह संघर्ष क्षेत्रीय स्तर पर ही सीमित रहे, ताकि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला बाधित न हो। अमेरिका के लिए यह "सुरक्षा + आर्थिक" संयोजन का मामला बन जाता है। इरान समर्थित प्रॉक्सी गुटों पर लगातार इरान क्षेत्र में सीधे जंग नहीं लड़ता, बल्कि उसकी ताकत उसके प्रॉक्सी गुट हैं। जैसे: हिज़्बुल्लाह (लेबनान) हमस और इस्लामिक जिहाद (गज़ा) हाथी विद्रोही (यमन) शिया मिलिशिया समूह (इराक और सीरिया) इन सभी समूहों का एजेंडा इरान की विचारधारा को आगे बढ़ाना और अमेरिका व उसके सहयोगियों को निशाना बनाना है। अमेरिका इस नेटवर्क को "आतंक की बेल" मानता है, जिसे समय रहते काटना ज़रूरी है।

इसीलिए, जब इन गुटों ने इज़राइल या अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया, तो अमेरिका को न केवल प्रतिक्रिया देनी पड़ी, बल्कि अपने सैन्य बेसों को भी सक्रिय करना पड़ा। घरेलू राजनीति और यहूदी लॉबी का दबाव अमेरिका की विदेश नीति अक्सर उसकी घरेलू राजनीति से संचालित होती है। अमेरिका में यहूदी समुदाय की जनसंख्या भले ही कम हो, लेकिन उनका राजनीतिक और आर्थिक प्रभाव बहुत अधिक है। कई संसद, नीति निर्माता और मीडिया समूह इज़राइल समर्थक माने जाते हैं। अमेरिका में AIPAC (American Israel Public Affairs Committee) जैसी संस्थाएं सरकार पर इज़राइल के हितों की रक्षा का दबाव बनाती हैं। किसी भी अमेरिकी राष्ट्रपति के

लिए इज़राइल का समर्थन करना एक राजनीतिक विवशता बन जाती है। इसलिए जब इज़राइल युद्ध में होता है, तो अमेरिका की चुप्पी उसकी सरकार को "कमज़ोर" या "यहूदी विरोधी" साबित कर सकती है। वैश्विक दबदबे की पुनः पुष्टि रूस-यूक्रेन युद्ध, अफगानिस्तान से अमेरिका की वापसी, और चीन का बढ़ता वर्चस्व—इन सभी घटनाओं ने अमेरिका की वैश्विक हैसियत को सवालों के घेरे में ला दिया है। इसलिए अमेरिका हर सैन्य संघर्ष में यह दिखाने की कोशिश करता है कि वो अब भी दुनिया की सबसे बड़ी महाशक्ति है और उसके सहयोगियों को हाथ लगाना आसान नहीं।

## “युद्ध में फंसे भारतीयों की सुरक्षित वापसी: एक मानवीय और कूटनीतिक चुनौती

जब दुनिया के किसी भी कोने में युद्ध, गृहयुद्ध या सशस्त्र संघर्ष छिड़ता है, तो उसका असर न सिर्फ उस देश के नागरिकों पर पड़ता है, बल्कि उन विदेशी नागरिकों पर भी होता है जो किसी कारणवश वहाँ रह रहे होते हैं—चाहे वह कामकाज हो, पढ़ाई हो या व्यापार। भारत जैसा विशाल देश, जिसकी जनसंख्या का एक बड़ा हिस्सा विदेशों में कार्यरत है, के सामने यह एक गंभीर चुनौती होती है कि वह युद्ध क्षेत्र में फंसे अपने नागरिकों को सुरक्षित वापस लाए। यह सिर्फ एक मानवीय जिम्मेदारी नहीं, बल्कि एक कूटनीतिक, सामरिक और तकनीकी रूप से जटिल कार्य होता है।

#### मौजूदा परिप्रेक्ष्य: इरान-इज़राइल संघर्ष की पृष्ठभूमि

हाल ही में इरान और इज़राइल के बीच तनावपूर्ण स्थिति ने एक बार फिर भारत सरकार को सतर्क कर दिया है। इस संघर्ष में शामिल क्षेत्रों में हजारों भारतीय नागरिक रहते हैं—जैसे इज़राइल में काम कर रहे कुशल व अकुशल श्रमिक, छात्र, स्टाफ़ कर्मी और इरान में भी धार्मिक वाणिज्यिक कारणों से गए तीर्थयात्री और व्यापारी। जैसे ही युद्ध की आहट तेज़ होती है, विदेश मंत्रालय और दूतावासों की सक्रियता भी बढ़ जाती है। भारत को यह सुनिश्चित करना होता है कि फंसे हुए हर भारतीय नागरिक की सही जानकारी मिले, उनकी स्थिति सुरक्षित हो और जरूरत पड़ने पर उन्हें युद्ध क्षेत्र से निकाला जा सके।

#### मानवीय सरोकार और प्राथमिकताएँ

जब किसी युद्ध क्षेत्र में भारतीय नागरिक फंस जाते हैं, तो सबसे पहली चिंता उनकी जान की होती है। चाहे वह छात्र हो, मजदूर हो या पर्यटक—हर नागरिक की सुरक्षा एक समान प्राथमिकता रखती है। उनके परिजन भारत में चिंता में डूबे रहते हैं और सरकार से तत्काल कार्रवाई की अपेक्षा करते हैं। ऐसे समय में सरकार की भूमिका न केवल संवेदनशील होती है, बल्कि निर्णायक भी। भारतीय विदेश मंत्रालय की ओर से तत्काल हेल्पलाइन, दूतावासों से संपर्क की सुविधा, सोशल मीडिया पर सूचनाओं का प्रचार-प्रसार और स्थानीय प्रशासन से समन्वय जैसी पहलें शुरू होती हैं। लेकिन अक्सर संचार व्यवस्था बाधित होने, इंटरनेट बंद होने या बमबारी की वजह से रास्ते बंद होने जैसी परिस्थितियाँ चुनौती को और



#### कठिन बना देती हैं। ऐतिहासिक उदाहरण: ऑपरेशन गंगा, ऑपरेशन राहत

भारत सरकार ने कई बार युद्ध क्षेत्रों में फंसे नागरिकों को निकालने के लिए बड़े पैमाने पर अभियान चलाए हैं। यूक्रेन युद्ध के दौरान चलाया गया "ऑपरेशन गंगा" एक ताज़ा उदाहरण है, जिसमें लगभग 20,000 भारतीय छात्रों को युद्धग्रस्त यूक्रेन से सुरक्षित निकाला गया। इसी तरह 2015 में यमन में जारी गृहयुद्ध के दौरान "ऑपरेशन राहत" के तहत हजारों भारतीयों को जिबूती के रास्ते लाया गया। इन अभियानों में न केवल भारतीय नौसेना और वायुसेना की भूमिका अहम रही, बल्कि कूटनीतिक स्तर पर अन्य देशों के सहयोग को सुनिश्चित करना भी उतना ही ज़रूरी रहा। कई बार भारत ने दूसरे देशों के नागरिकों को भी बचाया है, जिससे भारत की वैश्विक छवि एक जिम्मेदार लोकतांत्रिक राष्ट्र के रूप में उभरी है।

#### भू-राजनीतिक और कूटनीतिक पंच

युद्ध क्षेत्र में फंसे नागरिकों की वापसी महज एक तकनीकी प्रक्रिया नहीं होती। इसके पीछे मजबूत कूटनीतिक कौशल, तेज़ निर्णय क्षमता और जमीनी रणनीति का मेल होता है। कई बार संबंधित देश की सरकार ही अस्त-व्यस्त होती है या फिर वह किसी विदेशी हस्तक्षेप को संदेह की निगाह से देखती है। ऐसे में भारत को तटस्थता और मानवीय आधार पर कार्रवाई के लिए अंतरराष्ट्रीय

सहयोग जुटाना होता है। उदाहरण के तौर पर, जब इज़राइल और हमस के बीच संघर्ष भड़का था, तब भारत को दोनों पक्षों के बीच संतुलन बनाते हुए अपने नागरिकों को बाहर निकालना पड़ा। भारत न तो किसी पक्ष को पूरी तरह समर्थन दे सकता है, न ही आँख मूंदकर उनके खिलाफ बयान दे सकता है। इसलिए ऐसी स्थिति में गैर-राजनीतिक और मानवीय दृष्टिकोण सबसे कारगर सिद्ध होता है।

#### तकनीकी चुनौतियाँ

युद्ध क्षेत्र में फंसे भारतीयों की सूची बनाना, उनकी सटीक लोकेशन जानना, संपर्क स्थापित करना और बाहर निकालने के लिए सुरक्षित रास्ता तय करना—ये सभी प्रक्रियाएँ अत्यंत जटिल होती हैं। कई बार नागरिकों के पास वैध दस्तावेज़ नहीं होते, वे भयभीत होते हैं या फिर किसी अनजानी जगह में छुपे होते हैं। युद्ध के समय हवाई अड्डे बंद हो सकते हैं, सड़कें तबाह हो सकती हैं और पानी-खाद्य जैसी आवश्यक वस्तुएँ उपलब्ध नहीं होतीं। ऐसे में भारत को स्थानीय प्रशासन, संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों और रेड क्रॉस जैसी संस्थाओं के सहयोग से काम करना पड़ता है। भारतीय दूतावासों के कर्मचारियों को अतिरिक्त दबाव का सामना करना पड़ता है, लेकिन वह लगातार काम में जुटे रहते हैं।

#### सरकार और समाज की संयुक्त जिम्मेदारी

सरकार की तैयारियों के साथ-साथ नागरिक समाज, स्वयंसेवी

संस्थाएँ और प्रवासी भारतीय समुदाय की भी भूमिका महत्वपूर्ण होती है। युद्ध क्षेत्रों में स्थानीय भारतीय समुदाय खुद भी फंसे हुए नागरिकों की जानकारी सरकार तक पहुँचाने में मदद करता है। वे अस्थायी ठिकाने बनाते हैं, भोजन व दवाओं की व्यवस्था करते हैं और संकट में साथ खड़े रहते हैं। इसके अलावा भारतीय मीडिया और सोशल मीडिया के माध्यम से भी लोगों की जानकारी सरकार तक तेजी से पहुँचती है। यह सही है कि अफवाहों का खतरा भी बढ़ता है, लेकिन सकारात्मक भूमिका निभाने वालों की कोई कमी नहीं होती।

#### भविष्य की रणनीति: स्थायी समाधान की आवश्यकता

प्रत्येक संकट से कुछ सीख मिलती है। भारत को चाहिए कि वह युद्धग्रस्त या संकटग्रस्त देशों में बसे भारतीयों का एक रजिस्ट्रेशन सिस्टम बनवाए, जिससे किसी आपातकालीन स्थिति में तुरंत डेटा उपलब्ध हो सके। इसके अलावा, युद्धकालीन रणनीति के तहत हर दूतावास में संकट प्रबंधन सेल सक्रिय हो, जिसकी समय-समय पर ट्रेनिंग हो। भारत को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि विदेश जाने वाले नागरिकों को पहले से जागरूक किया जाए कि वे सरकार द्वारा सुझाए गए पोर्टलों पर अपनी जानकारी पंजीकृत करें। इससे भविष्य में उनकी लोकेशन ट्रैक करने और संपर्क साधने में आसानी होगी।

# अब्दुल कय्यूम अंसारी स्वतंत्रता आंदोलन के मजबूत भागीदार



अब्दुल कय्यूम अंसारी का जन्म 1 जुलाई 1905 को डेहरी-ऑन-सोन, बंगाल प्रेसिडेंसी में हुआ था। उनका जन्म एक अमीर मोमिन/अंसारी परिवार में हुआ था। सासाराम और डेहरी-ऑन-सोन हाई स्कूल में अध्ययन करने के बाद उन्होंने अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी, कलकत्ता विश्वविद्यालय और इलाहाबाद विश्वविद्यालय में शिक्षा हासिल की, हालांकि भारत की स्वतंत्रता के संघर्ष में उनकी सक्रिय भागीदारी के कारण समय-समय पर उनकी शिक्षा बाधित हुई। बहुत कम उम्र में ही भारत के स्वतंत्रता संग्राम में शामिल हो गए थे।

निर्माण के लिए मुस्लिम लीग की मांग के खिलाफ थे। इनके खिलाफ उन्होंने मोमिन आंदोलन शुरू किया। इस बेनर के तहत उन्होंने पिछड़े मोमिन समुदाय के सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक मुक्ति और उत्थान करने के बाद उन्होंने अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी, कलकत्ता विश्वविद्यालय और इलाहाबाद विश्वविद्यालय में शिक्षा हासिल की, हालांकि भारत की स्वतंत्रता के संघर्ष में उनकी सक्रिय भागीदारी के कारण समय-समय पर उनकी शिक्षा बाधित हुई। बहुत कम उम्र में ही भारत के स्वतंत्रता संग्राम में शामिल हो गए थे।

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के आह्वान के जवाब में सरकारी स्कूलों का बहिष्कार करने वाले छात्रों के लिए एक राष्ट्रीय विद्यालय की स्थापना की इसके लिए उन्हें 16 साल की छोटी उम्र में गिरफ्तार कर लिया गया और जेल में डाल दिया गया क्योंकि यह असहयोग और खिलाफत आंदोलन में भाग लेने के बराबर था। अब्दुल कय्यूम अंसारी एक कुशल पत्रकार, लेखक और कवि भी थे।

1946 में उनकी पार्टी बिहार प्रंतीय विधानसभा में मुस्लिम लीग के खिलाफ चुनाव लड़कर 6 सीटें जीतने में सफल रही। इस प्रकार वे बिहार केसरी श्रीकृष्ण सिंह के मंत्रिमंडल में बिहार के मंत्री बनने वाले पहले मोमिन बने। गरीबों और दलितों के एक चैंपियन अब्दुल कय्यूम अंसारी ने शिक्षा और साक्षरता का प्रसार के लिए काम किया और उनकी पहल पर 1953 में भारत सरकार द्वारा पहला अखिल भारतीय पिछड़ा वर्ग आयोग नियुक्त किया गया था। 18 जनवरी 1973 को बिहार के अमियावर गाँव में डेहरी-आरा नहर के ढहने से गाँव को हुए नुकसान का प्ररीक्षण करने के दौरान उनकी मौत हुई थी। 1 जुलाई 2005 को, भारत सरकार (या इंडिया पोस्ट) ने उनकी याद में एक डाक टिकट जारी किया।



# रोजगार उत्सव से सरकारी नौकरी का सपना हो रहा पूरा- भजनलाल शर्मा

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के युवाओं को रोजगार के समुचित अवसर उपलब्ध कराने के लिए कार्ययोजना के तहत भर्तियाँ आयोजित कर रही है। उन्होंने कहा कि भर्ती परीक्षा कैलेण्डर के अनुसार आयोजित कर युवाओं को समयबद्ध रूप से रोजगार उत्सव के तहत नियुक्तियाँ दी जा रही हैं। शर्मा गुरुवार को मुख्यमंत्री निवास पर मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव (जुलाई-2025) की तैयारियों को लेकर आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने अधिकारियों को आगामी जुलाई माह में आयोजित होने वाले मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव के आयोजन की सुनियोजित तैयारियाँ करने के निर्देश प्रदान किए। उन्होंने विभागवार लंबित भर्ती प्रक्रियाओं की समीक्षा करते हुए



विभागीय अधिकारियों को नियुक्ति प्रदान करने से पूर्व शेष प्रक्रिया को त्वरित गति से पूर्ण करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को न्यायालय में विभिन्न कारणों से लंबित भर्ती प्रक्रियाओं की मजबूती से परेची करवाने के निर्देश प्रदान किए। उन्होंने प्रदेश में युवाओं के लिए संचालित की जा रही विभिन्न

योजनाओं को मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव से जोड़ने के भी निर्देश दिए जिससे पात्र युवाओं को इन योजनाओं का लाभ मिल सके। शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा अब तक आयोजित किए गए मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव के तहत प्रदेश के 67 हजार से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान कर उनका सरकारी नौकरी का सपना

पूरा किया गया है। उन्होंने कहा कि युवाओं को पूर्ण पारदर्शिता एवं त्वरित गति से विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाए जा रहे हैं। इस अवसर पर मुख्य सचिव सुधांशु पंत सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

## अतिरिक्त मुख्य सचिव ने बजट घोषणाओं के समयबद्ध क्रियान्वयन के लिए निर्देश

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। जनस्वास्थ्य अभियानिकी विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव भास्कर ए सावंत ने कहा कि बजट घोषणा वर्ष 2024-25 एवं 2025-26 के तहत स्वीकृत हैंडपंप एवं नलकूप निर्माण से संबंधित कार्यों को अतिशीघ्र पूर्ण किया जाए। उन्होंने अभियंताओं को निर्देश दिए कि बजट में घोषित सभी परियोजनाओं को भी निर्धारित समय सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा किया जाए।

अवैध कनेक्शन के विरुद्ध हो प्रभावी कार्यवाही— सावंत ने कहा कि मुख्य सचिव के निर्देश पर अवैध कनेक्शन लेने वालों के विरुद्ध 22 मार्च से संचालित अभियान में प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। साथ ही अवैध कनेक्शनों के चिन्हीकरण के बाद उनके नियमितकरण के लिए भी विशेष प्रयास किये जाएं। उन्होंने अभियान के तहत प्रभावी कार्यवाही नहीं करने वाले अभियंताओं के विरुद्ध कार्यवाही करने एवं राइजिंग मेन लाइन से अवैध कनेक्शन लेने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करवाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अवैध कनेक्शन की वजह से जो वाटर सप्लाई बाधित हो रही है, उन्हें हटाने के लिए भी आवश्यक कार्यवाही की जाए, जिससे अंतिम छोर पर रहने वाले व्यक्ति को भी पानी मिल सके।



अतिरिक्त मुख्य सचिव ने अमृत 2.0 के अंतर्गत स्वीकृत कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा कि जो कार्य शुरू हो गए हैं उन्हें समयबद्ध तरीके से पूर्ण किया जाना सुनिश्चित करें साथ ही जिनकी टेंडर प्रक्रिया

करने के निर्देश दिए। नवीन जल कनेक्शन में नहीं हो देरी—

उन्होंने कहा कि जल मित्र एप पर नवीन जल कनेक्शन में अनावश्यक रूप से देरी नहीं की जानी चाहिए इसकी अब मुख्यालय स्तर पर मॉनिटरिंग की जाएगी। इसमें बेवजह कार्यवाही में लापरवाही करने वाले अभियंता के विरुद्ध ठोस कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की प्राथमिकता है कि निवेशकों के लिए औद्योगिक क्षेत्र में पानी का कनेक्शन शीघ्र जारी किया जाना है, इसलिए राज निवेश एप पर आए हुए जल कनेक्शन हेतु आए हुए आवेदनों का शीघ्र निस्तारण किया जाए।

अतिरिक्त मुख्य सचिव गुरुवार को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से सभी अतिरिक्त मुख्य अभियंता सहित अधीक्षण अभियंताओं के साथ बजट घोषणा, अमृत 2.0, अवैध जल कनेक्शन सहित अन्य बिंदुओं की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने बजट घोषणा 2025-26 के तहत स्वीकृत हैंडपंप निर्माण में दोसा जिले की शूच्य प्रगति पर गहरी नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि जिन कार्यों की वित्तीय स्वीकृति जारी हुई है उनका निर्माण कार्य शीघ्र पूरा किया जाए साथ ही मुख्यालय स्तर से इन कार्यों की नियमित रूप मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए।

## वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत जन-जागरूकता, स्वच्छता एवं कृषि नवाचार गतिविधियाँ आयोजित

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। 'वंदे गंगा- जल संरक्षण जन अभियान के अंतर्गत जयपुर जिले में नगर निगम ग्रेटर एवं कृषि विभाग द्वारा विभिन्न स्थलों पर जन सहभागिता आधारित कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इन गतिविधियों का उद्देश्य जल संरक्षण, पर्यावरणीय चेतना, स्वच्छता संवर्धन, सतत कृषि पद्धतियों का प्रचार-प्रसार तथा नागरिक सहभागिता को बढ़ावा देना रहा।

राजस्थान के तहत पौधारोपण एवं स्वच्छता के प्रति प्रेरित किया गया। उपनिदेशक उद्यान जयपुर द्वारा ड्रिप, मिनी फव्वारा संचयन, प्लास्टिक मल्टिचंग आदि योजनाओं की जानकारी दी गई। सहायक निदेशक कृषि बाबूलाल यादव द्वारा प्राकृतिक खेती, गोवर्धन योजना, हरी-खाद निर्माण व फार्म पॉन्ड निर्माण पर मार्गदर्शन प्रदान किया गया। कृषि अनुसंधान अधिकारी द्वारा मृदा स्वास्थ्य



कार्ड एवं संतुलित पोषण विषयक जानकारी दी गई। कृषकों एवं कृषि अधिकारियों के सहयोग से पौधारोपण किया गया। संयुक्त निदेशक कृषि जिला परिषद जयपुर द्वारा बताया गया कि वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के अंतर्गत जिले में अब तक 302 कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं, जिनमें लगभग 3000 कृषकों ने भागीदारी निभाई है।

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। "एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग" थीम पर मनाये जा रहे 11 वें अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में आयुष विभाग एवं विभिन्न योग संस्थानों के तत्वाधान में जयपुर महानगर के 13 प्रमुख धार्मिक एवं पर्यटक स्थलों-एस.एम.एस स्टेडियम, अल्बर्ट हाल, हवामहल, आमेर महल, बिरला मंदिर, श्री गोविंद देव जी मंदिर, श्री गलता जी मंदिर, जलमहल,

# जन-जागरूकता, स्वच्छता एवं कृषि नवाचार गतिविधियों का हुआ आयोजन

## - वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत जयपुर जिले में हुआ आयोजन

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। 'वंदे गंगा- जल संरक्षण जन अभियान के अंतर्गत जयपुर जिले में नगर निगम ग्रेटर जयपुर एवं कृषि विभाग द्वारा विभिन्न स्थलों पर जन सहभागिता आधारित कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इन गतिविधियों का उद्देश्य जल संरक्षण, पर्यावरणीय चेतना, स्वच्छता संवर्धन, सतत कृषि पद्धतियों का प्रचार-प्रसार तथा नागरिक सहभागिता को बढ़ावा देना रहा।

ज।ग.रू.क.त। अभियान चलाया गया, जबकि विद्याधर नगर में वार्ड 22 के पार्श्व की उपस्थिति में 200 प्रतिभागियों ने जन-जागरूकता रैली में भाग लिया। सभी ज़ोन में एक साथ 1450 नागरिकों ने स्वच्छता की शपथ ली। साथ ही, सार्वजनिक निर्माण विभाग के सहयोग से शासकीय भवनों में स्थित वर्षा जल संचयन संरचनाओं की सफाई व मरम्मत तथा 'अमृत 2.0' योजना के अंतर्गत स्वयं सहायता समूहों द्वारा जल स्रोतों की सफाई, दीप प्रज्वलन एवं नो प्लास्टिक डे का आयोजन भी संपन्न हुआ। इसी क्रम में ग्राम पंचायत उदावाला में कृषि विभाग द्वारा कृषक गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा नेता उपेन यादव एवं सरपंच बनारसी देवी उपस्थित



रहे। कैलाश चंद्र मीणा, संयुक्त निदेशक कृषि जिला परिषद जयपुर के मार्गदर्शन में किसानों को जल संरक्षण एवं हरियाबो राजस्थान के तहत पौधारोपण एवं स्वच्छता के प्रति प्रेरित किया गया। उपनिदेशक उद्यान जयपुर द्वारा ड्रिप, मिनी फव्वारा संचयन, प्लास्टिक मल्टिचंग आदि योजनाओं की जानकारी दी गई। सहायक निदेशक कृषि शाहपुरा बाबूलाल यादव द्वारा प्राकृतिक खेती, गोवर्धन योजना, हरी-खाद निर्माण व फार्म पॉन्ड निर्माण पर मार्गदर्शन प्रदान किया गया। कृषि अनुसंधान अधिकारी द्वारा मृदा स्वास्थ्य

कार्ड एवं संतुलित पोषण विषयक जानकारी दी गई। कृषकों एवं कृषि अधिकारियों के सहयोग से पौधारोपण किया गया, जिसमें रामनारायण यादव, मुरलीधर यादव, सोहनलाल सेपट एवं पवन सिंह सहित 308 कृषकों ने भाग लिया। संयुक्त निदेशक कृषि जिला परिषद जयपुर द्वारा बताया गया कि वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के अंतर्गत जिले में अब तक 302 कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं, जिनमें लगभग 3000 कृषकों ने भागीदारी निभाई है।

## योग को लेकर आमजन में दिख रहा उत्साह, कर रहे योगाभ्यास

### - आयुष विभाग एवं विभिन्न योग संस्थानों के प्रशिक्षकों द्वारा करवाया जा रहा योगाभ्यास



जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। "एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग" थीम पर मनाये जा रहे 11 वें अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में आयुष विभाग एवं विभिन्न योग संस्थानों के तत्वाधान में जयपुर महानगर के 13 प्रमुख धार्मिक एवं पर्यटक स्थलों-एस.एम.एस स्टेडियम, अल्बर्ट हाल, हवामहल, आमेर महल, बिरला मंदिर, श्री गोविंद देव जी मंदिर, श्री गलता जी मंदिर, जलमहल,

पत्रिका गेट, सिटी पार्क, सेंट्रल पार्क, सिटी पैलेस, जयगढ़ पर प्रातः 07.00 बजे योग का पूर्वभ्यास कार्यक्रम करवाया गया, जिसमें लगभग 7000 स्थानीय लोगों ने उत्साह के साथ भाग लिया। इसके पश्चात् अतिरिक्त निदेशक आयुर्वेद विभाग, जयपुर संभाग ने आयुष भवन, प्रताप नगर में योग दिवस के सफल आयोजन के लिए सभी समितियों की बैठक ली।

## राहुल गांधी के जन्मदिन पर गायों को गुड़ एवं चारा खिलाया गया



मनोहरपुर, (रॉयल पत्रिका)। जननायक राहुल गांधी जी के जन्मदिवस के अवसर पर शाहपुरा विधायक मनीष यादव जी की प्रेरणा से ब्लॉक कांग्रेस कार्यकर्ताओं के नेतृत्व श्री परमानंद गौशाला में सेवा एवं समर्पण के भाव से गायों को गुड़ एवं चारा खिलाया गया। इस अवसर पर हरिओम दास जी, महाराज ब्लॉक अध्यक्ष नाथूलाल सेनी, पूर्व अध्यक्ष नगर पालिका प्रेम

देवी जाट, महामंत्री रामेश्वर गोरठा, उपाध्यक्ष राम गोपाल, रावत जितेंद्र शर्मा, मुकेश खुडानिया, पार्श्व घनश्याम सेनी, हेमचंद्र जाट, बाबूलाल महासचिव, सुभाष यादव, अक्षय सेनी, रामकुमार लोहार, कालू दंताला, अमित सेनी, सुभाष भडाणा, लोकेश सामोता, अक्षय शर्मा, मनीष शर्मा, सोमया शर्मा, आदित्य शर्मा, चकित मीणा, गोविंद राठौड़ आदि उपस्थित थे।

## फल वितरित कर मनाया राहुल गांधी का जन्मदिन



सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। सिविल लाइन सवाई माधोपुर स्थित कांग्रेस कार्यालय पर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं संसद में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के जन्मदिन पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने संजीवनी हॉस्पिटल में मरीजों को फल वितरित कर एवं कांग्रेस कार्यालय में केक काटकर जन्मदिन मनाया जन्मदिन के अवसर पर

कांग्रेस जिला अध्यक्ष गिरिज सिंह गुर्जर, नगर अध्यक्ष मोहन मंगल, जिला उपाध्यक्ष राधेश्याम मीणा, महामंत्री सोनिका शर्मा, बंशीलाल मीणा, सतीश श्रीवास्तव, बृजमोहन सिसोदिया, विकी कार्यालय प्रभारी संजय गौतम पार्श्व, प्रवक्ता बीपी सिंह मीडिया प्रभारी अजय शर्मा मोहम्मद रफीक आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

## नगर पालिका के कई मोहल्लों में नालिया क्षतिग्रस्त

### -गंदगी और कीचड़ की समस्या से ग्रामीण परेशान

मनोहरपुर, (रॉयल पत्रिका)। नगर पालिका के कई मोहल्लों में सारवान मोहल्ला व आमलिया का बास में नालिया क्षतिग्रस्त होने से रास्ते में कीचड़ जमा हो जाता है जिससे बदबू आने लगती है। जिससे लोग काफी को परेशानीओं का सामना करना पड़ रहा है। वही आमलीयों का बास में ग्रामीणों को गंदगी और कीचड़ की समस्या से जूझना पड़ रहा है। क्षेत्र में घरों से निकलने वाले पानी की समुचित व्यवस्था नहीं होने से पानी सड़कों पर फैल रहा है, जिससे ग्रामीणों को काफी परेशानी हो रही है। स्थानीय ग्रामीण कृष्ण कुमार व फरमान खान ने बताया कि वार्ड में कई वर्षों से नालियों की समुचित व्यवस्था नहीं की गई है, जिससे आम रास्ते में नालियों का पानी

भरता है। बारिश के दिनों में स्थिति और भी खराब हो जाती है, जिससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। इस समस्या के कारण कई दुपहिया वाहन चालक और राहगीर गिरकर चोटिल हो चुके हैं। स्थानीय ग्रामीण योगेश वर्मा ने बताया कि नालियों में पानी भरा रहने से मकानों की दीवारों में सीलन आने से मकान गिरने का भय सताने लगा है। स्थानीय ग्रामीणों ने कई बार पालिका प्रशासन को इस समस्या से अवगत कराया है, लेकिन अभी तक नालियों का स्थाई समाधान नहीं हो पाया है। ग्रामीणों में पालिका के प्रति रोष व्याप्त है। ग्रामीणों ने पालिका से जल्द ही नालियों की समुचित व्यवस्था करने की मांग की है।



आवश्यक नम्बर		रॉयल पत्रिका
<b>विजली फॉल्ट के लिए</b>		
टोल फ्री नंबर	18001806507	
वाट्सएप नंबर	9414037085	
कस्टमर केयर	22030000	
आईवीआरएस	1912	
<b>कचरा गाड़ी के लिए</b>		
ग्रेटर	2747400	
सीवरेज लॉकेज	2607500	
हेरिटेज	2607500	
टोल फ्री नंबर	14420	
<b>पुलिस की मदद के लिए</b>		
साइबर क्राइम	1930/2360094	
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38	
ट्रांफिक कंट्रोल रूम	2565630	
वाइल्ड हेल्पलाइन	1098	
महिला हेल्पलाइन	1090	
मुख्यमंत्री पोर्टल	181	
<b>पानी के लिए</b>		
जलदाय कार्यालय	2706624	
फायर फ़िरेड	2747400	
<b>मेडिकल इमरजेंसी के लिए</b>		
एंबुलेंस	102/108	
एसएएस इमरजेंसी	2518333	
महिला चिकित्सालय	22610616	
जाना हॉस्पिटल	22378721	
SDMH	22574189	
SMS ब्लड बैंक	22518222	
कल्याण ब्लड बैंक	22721771	
<b>घायल पशुओं के लिए</b>		
नगर निगम	2747400	
बर्ड वाइफ	9887345590	
हेल्प डन सफरिंग	8107299711	
जनमंत्र ट्रस्ट	7230055800	
पशु चिकित्सालय	2747400	

## अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का मुख्य समारोह मेहरानगढ़ किले पर होगा

जोधपुर, (राँयल पत्रिका)। शनिवार को एकादश अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का जिला स्तरीय मुख्य समारोह ऐतिहासिक मेहरानगढ़ किले पर भव्य रूप से आयोजित किया जाएगा। इसके साथ ही मंडोर उद्यान एवं सम्राट अशोक उद्यान को भी उप-आयोजन स्थलों के रूप में चिह्नित किया गया है, जहां एक साथ योगाभ्यास एवं जन-जागरूकता कार्यक्रम होंगे। जिला प्रशासन जोधपुर एवं आयुष विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस समारोह को सफल बनाने के लिए जिला कलक्टर गौरव अग्रवाल ने समस्त विभागीय अधिकारियों को समन्वयपूर्वक कार्य करने के निर्देश दिए हैं। आयोजन की थीम "एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य" को ध्यान में रखते हुए 20 मई से ही तीनों स्थलों पर काउन्डाउन योगाभ्यास सत्रों का आयोजन नियमित रूप से जारी है। जिला नोडल अधिकारी एवं उपनिदेशक आयुर्वेद डॉ. शरीफ खां ने जानकारी देते हुए बताया कि अधिक से अधिक आमजन



को जोड़ने एवं जनजागरण हेतु एक योग जागरूकता रैली का आयोजन भी प्रस्तावित है। यह रैली मेहरानगढ़ किला तलहटी रोड से प्रारंभ होकर विद्याशाला स्कूल तक निकाली जाएगी, जिसे शहर विधायक अतुल भंसाली हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। योग अभ्यास एवं प्रशिक्षक गतिविधियां मेहरानगढ़ किले पर डॉ. गोपाल नारायण शर्मा व डॉ. रामलाल, मंडोर उद्यान पर डॉ.

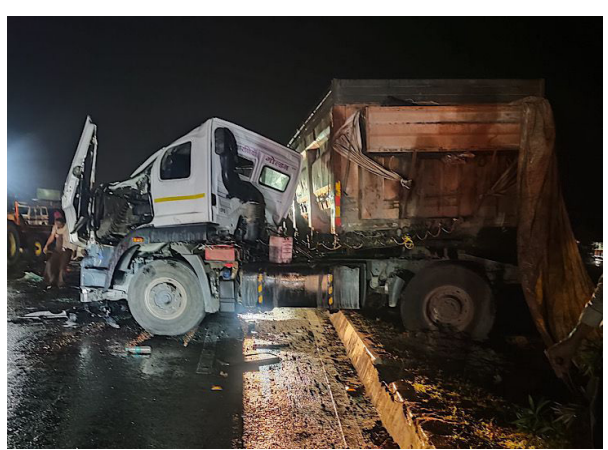
सीमा कच्छवाहा एवं डॉ. कृष्ण गोपाल शर्मा, सम्राट अशोक उद्यान पर डॉ. नवनीत दाधीच व डॉ. विक्रम गोपा द्वारा प्रतिदिन योग अभ्यास करवाया जा रहा है, जिसमें बड़ी संख्या में नागरिकों की सहभागिता देखने को मिल रही है। इस अभियान का उद्देश्य है कि आमजन योग के महत्व को आत्मसात करें, अपनी दिनचर्या में नियमित योग को अपनाएं और एक स्वस्थ, संतुलित जीवन की

ओर अग्रसर हों। एक भारत, स्वस्थ भारत जिला प्रशासन एवं आयुष विभाग की ओर से समस्त नागरिकों, युवाओं, स्वयंसेवी संगठनों, शिक्षण संस्थानों व सामाजिक संगठनों से अनुरोध किया गया है कि वे 21 जून को निर्धारित स्थलों पर आयोजित योग दिवस समारोह में सपरिवार भाग लें, और "एक भारत, स्वस्थ भारत" के इस संकल्प को साकार करें।

## अजमेर में हाईवे पर 2 ट्रेलर में भिड़ंत एक ड्राइवर की मौत

- स्टेयरिंग में फंसे 1 घायल को जेसीबी से निकाला

अजमेर, (राँयल पत्रिका)। जिले के मांगलियावास बाईपास पर एक होटल के पास 2 ट्रेलर की टक्कर में 3 लोग घायल हो गए। स्टेयरिंग में फंसे एक घायल को जेसीबी से बाहर निकालने जाने के बाद तीनों घायलों को 108 एंबुलेंस से अजमेर के जेएलएन अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां गंभीर घायल एक ड्राइवर की मौत हो गई। मामले में पीड़ित ब्यावर के करणपुरा निवासी सिक्ंदर मेहरात ने सड़क हादसे का मुकदमा दर्ज कराया है। इस मामले में बताया कि मांगलियावास बाईपास पर एक होटल के निकट बुधवार रात 8.30 बजे ब्यावर के रास निवासी ड्राइवर रोशन काठात अपने ट्रेलर से भारी सीमेंट को अजमेर में खाली करके



वापस ब्यावर की तरफ जा रहा था। इसी दौरान उसका ट्रेलर तेज गति से बेकाबू हो गया। तेज गति में डिवाइडर से टकराकर दूसरे लेन पर जाकर ब्यावर से अजमेर की

तरफ आ रहे टाइल लदे ट्रेलर को टक्कर मार दी। टाइल से भरा ट्रेलर सड़क किनारे पलटी खा गया जिससे टाइल लदा ट्रेलर बेकाबू होकर सड़क किनारे

खाई में उतरकर पलटी खा गया। इससे उसका ड्राइवर किशन जख्मी हो गया। इधर सीमेंट लगे ट्रेलर के टाइल लदे ट्रेलर को टक्कर मारने से उसकी केबिन बुरी तरह पिचक गई। जिससे उसका खलासी परिवारी सिक्ंदर मेहरात, ट्रेलर का दूसरा ड्राइवर ब्यावर में रास के सोडपुरा निवासी अशोक सिंह रावत गंभीर रूप से घायल हो गए। केबिन के पिचक जाने से अशोक रावत ट्रेलर की केबिन की स्टेयरिंग में फंस गया। हादसे की सूचना पर मांगलियावास थाने से एएसआई रामस्वरूप सोयल, हाईवे पेट्रोलिंग टीम, 108 एंबुलेंस मौके पर पहुंची।

## डेयरी बूथों के निरीक्षण के दौरान पाये गये तम्बाकू उत्पाद

- डेयरी बूथ संचालकों को तम्बाकू उत्पाद नहीं बचने हेतु किया पाबन्द, लाइसेंस रद्द

पाली, (राँयल पत्रिका)। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, पाली के अधीन राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत जिला तम्बाकू नियंत्रण प्रकोष्ठ द्वारा पिछले कुछ दिनों से लगातार पाली शहर में संचालित विभिन्न डेयरी बूथों का सघन निरीक्षण किया जा रहा है, जो आगे भी जारी रहेगा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. विकास मारवाल ने बताया कि जिला तम्बाकू नियंत्रण प्रकोष्ठ के अधिकारियों द्वारा पाली शहर में पिछले कुछ दिनों से लगातार डेयरी बूथों का निरीक्षण कर डेयरी बूथों से तम्बाकू उत्पाद हटवाये गये हैं तथा ऐसे बूथ संचालकों को भविष्य में तम्बाकू उत्पादों का विक्रय नहीं करने हेतु पाबन्द भी किया गया है। समस्त डेयरी बूथों को पाबन्द भी किया गया है कि ये यदि वे डेयरी बूथों पर तम्बाकू उत्पाद बेचते हुये पाये जाते हैं, तो उनके फूड लाइसेंस रद्द कर दिये जायेंगे। उन्होंने

बताया कि इस बाबत डेयरी के महाप्रबन्धक को भी विभाग द्वारा एक पत्र प्रेषित किया गया है, जिसमें डेयरी बूथों का निरीक्षण कर तम्बाकू उत्पाद बेचने वाले बूथों के डेयरी बूथ लाइसेंस रद्द करने का भी आग्रह किया गया है। डेयरी द्वारा इस बाबत जिले के समस्त बूथ संचालकों को डेयरी बूथों पर तम्बाकू उत्पाद नहीं बेचने हेतु पाबन्द करने का भी चिकित्सा विभाग द्वारा आग्रह किया गया है।

ए.एन.एम. प्रशिक्षण केन्द्र के प्रधानाचार्य एवं तम्बाकू मुक्ति उपचार एवं परामर्श केन्द्र के सायकॉलॉजिस्ट के. सी. सैनी ने बताया कि पाली शहर में डेयरी बूथों के निरीक्षण के दौरान पाया गया है कि कई बूथों पर तो कुर्सी, टेबल, स्टूल लगाकर लोगों को बैठने की व्यवस्था दी जा रही है ताकि वे आसानी से बैठकर चाय कॉफी के साथ साथ धूपपान एवं गुटखा आदि का सेवन भी कर सकें, यह सर्वथा अनुचित



है एवं कोटपा अधिनियम का भी उल्लंघन है। कई बूथों पर ना तो डेयरी के लाइसेंस मिले तथा ना ही मौके पर फूड लाइसेंस पाये गये। निरीक्षण के दौरान यह भी देखने को मिला कि जिस व्यक्ति के नाम का डेयरी का लाइसेंस है, वो डेयरी पर उपलब्ध ही नहीं

रहता है। डेयरी विभाग द्वारा जिले के सभी डेयरी बूथों को इस बाबत पाबन्द किया जाना अपेक्षित है। आगामी दिनों में डेयरी विभाग एवं चिकित्सा विभाग द्वारा संयुक्तरूप से निरीक्षण अभियान भी संचालित किया जाना प्रस्तावित है।

## परिवाद निस्तारण का समय कम हो, परिवादियों की संतुष्टि बढ़े

- जिला स्तरीय जनसुनवाई में आये 138 परिवाद

शब्बीर हुसैन कोटा, (राँयल पत्रिका)। मुख्य सचिव सुधांशु पंत ने गुरुवार को विभिन्न जिलों में चल रही जिला स्तरीय जनसुनवाई एवं जन अभियोग सतर्कता समिति की बैठक में वीसी के माध्यम से जुड़कर निर्देश दिए कि परिवाद निस्तारण का समय कम करने की दिशा में सकारात्मक प्रयास किए जाएं। उन्होंने 6 माह से पुराने केस की पेंडेंसी शून्य करने तथा परिवादियों की संतुष्टि का प्रतिशत बढ़ाने के निर्देश विभिन्न जिलों के कलक्टरों को दिए।

कोटा कलेक्ट्रेट में आयोजित जिला स्तरीय जनसुनवाई एवं जन अभियोग सतर्कता समिति की बैठक में कलक्टर डॉ. रविन्द्र गोस्वामी ने 138 प्रकरणों की व्यक्तिगत रूप से सुनवाई की और संबंधित अधिकारियों को त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। जनसुनवाई में आए प्रकरणों में अतिक्रमण, सीमाशासन, जल निकासी, खाद्य सुरक्षा योजना में नाम जोड़ने जैसे मामले शामिल थे। मुख्यमंत्री चिरंजीवी योजना में डेथ क्लेम रिजेक्ट होने से जुड़े एक प्रकरण में जिला कलक्टर ने प्रकरण को ऑनलाइन चेक करवाने के बाद लंबित अपील के निस्तारण के निर्देश दिए। शहरी क्षेत्रों से सफाई, अतिक्रमण से संबंधित प्रकरणों में जिला कलक्टर



ने नगर निगम अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। बिजली-पानी की समस्याओं से जुड़े प्रकरणों पर कलक्टर ने संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि गर्मी के मौसम को देखते हुए इन समस्याओं का प्राथमिकता से निस्तारण करें। संवेदनशीलता से हो समस्याओं का समाधान कलक्टर ने अधिकारियों से

कहा कि वे सभी शिकायतों पर संवेदनशीलता और पूर्ण प्रतिबद्धता से कार्य करें तथा यह सुनिश्चित करें कि आवेदक प्रशासनिक प्रक्रिया से संतुष्ट हों। मुख्य सचिव के साथ वीसी में संभागीय आयुक्त राजेन्द्र सिंह शेखावत, प्रशिक्षु आईएसएस आराधना चौहान, अतिरिक्त जिला कलक्टर प्रशासन मुकेश चौधरी सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

## भारतीय के नव निर्मित प्रवेश द्वार का लोकार्पण

- शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री देना नहीं, व्यक्ति की बौद्धिक क्षमता बढ़ाना हो- राज्यपाल

शब्बीर हुसैन

कोटा, (राँयल पत्रिका)। राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ बागडे ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य महज डिग्री प्रदान करना नहीं बल्कि व्यक्ति की बौद्धिक क्षमता बढ़ाना होना चाहिए। स्कूल, कॉलेज एवं विश्वविद्यालय में सिर्फ किताबी पाठ्यक्रम के आधार पर नहीं वरन् व्यावहारिक ज्ञान के आधार पर शिक्षा दी जाए ताकि व्यक्ति की बौद्धिक क्षमता में वृद्धि हो सके।

बागडे गुरुवार को राज्यपाल तकनीकी विश्वविद्यालय के नवनिर्मित मुख्य प्रवेश द्वार के लोकार्पण के बाद संबोधित कर रहे थे। उन्होंने विश्वविद्यालय का नया प्रवेश द्वार बनने पर सभी को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। राज्यपाल ने कहा कि किसी भी शिक्षण संस्थान का सही परिचय वहां प्रदान की जा रही शिक्षा से होता है। प्राचीन समय में गुरुकुलों में दी जाने वाली शिक्षा को उल्लेख करते हुए कहा कि गुरुकुलों में विविध भाषाओं एवं विषयों की अभ्यास आधारित शिक्षा दी जाती थी। उस जमाने में डिग्री वाले

विश्वविद्यालयों का आव्हान किया कि वे गुणवत्तापूर्ण प्रौद्योगिकी का विकास कर विश्व में भारत को अलग पहचान दिलाएं। राज्यपाल ने कहा कि शिक्षा के साथ विद्यार्थियों के शारीरिक विकास के लिए स्कूलों में खेल मैदान अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराए जाएं। उन्होंने कहा कि विद्यालयों में खेल मैदान नहीं होंगे तो बच्चों के शारीरिक विकास में बाधा उत्पन्न होगी। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति विद्यार्थियों

की बौद्धिक एवं शारीरिक क्षमता विकसित करने पर आधारित है। राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. एस.के. सिंह ने स्वागत उद्बोधन में कहा कि विश्वविद्यालय का मुख्य प्रवेश द्वार धूलपुर के लाल रंग के पत्थरों से बनाया गया है और यह राजस्थान की वास्तुकला को भी दर्शाता है। यह प्रवेश द्वार संस्थान की परम्परा से ज्ञान के मंदिर में प्रवेश करते हुए विद्यार्थी सकारात्मक ऊर्जा का अनुभव करेंगे। लोकार्पण के बाद राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने विश्वविद्यालय परिसर में पौधारोपण भी किया। कार्यक्रम में कोटा विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. बी.पी. सारस्वत, संभागीय आयुक्त राजेन्द्र सिंह शेखावत, जिला कलक्टर डॉ. रविन्द्र गोस्वामी, पुलिस अधीक्षक शहर डॉ. अमृता दुहन सहित अन्य अधिकारी एवं विश्वविद्यालय स्टाफ मौजूद था।



इंजीनियर नहीं होते थे लेकिन वे तकनीकी दृष्टि से इतने दक्ष थे कि मजबूत इमारतें बनाते थे। वहां विद्यार्थियों की स्मरण शक्ति को बढ़ाते हुए ज्ञान दिया जाता था। बागडे ने कहा कि विकसित प्रौद्योगिकी से जीवन की जटिलताओं के समाधान में मदद मिलती है। तकनीकी शिक्षा व्यक्ति के जीवन को समृद्ध बनाते हुए उसे समाज में उच्चतम स्तर प्रदान करने का मार्ग भी प्रशस्त करती है। उन्होंने तकनीकी

## 11वें अंतरराष्ट्रीय जिला स्तरीय योग दिवस के लिए

### सभी नागरिक हों प्रतिबद्ध : जिला कलक्टर

- रामगढ़ क्रेटर और श्रीराम स्टेडियम में होगा योग महोत्सव का जिला स्तरीय आयोजन

शब्बीर हुसैन

बारां, (राँयल पत्रिका)। जिला स्तरीय योग दिवस के सफल आयोजन की तैयारियों को लेकर गुरुवार को जिला कलेक्ट्रेट सभागार में जिला कलक्टर रोहितान्ध सिंह तोमर की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में जिला कलक्टर ने सभी अधिकारियों को योग दिवस को सार्थक बनाने के लिए अपने-अपने विभाग के दायित्वों को गंभीरतापूर्वक निभाने के निर्देशित किया।

उन्होंने बताया कि 11 वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य के लिए योग की थीम पर 21 जून शनिवार प्रातः 6 से 8 बजे तक पंचायत स्तर से ब्लॉक स्तर एवं जिला स्तर पर मनाया जाएगा। जिला कलेक्टर रोहितान्ध सिंह तोमर ने बताया कि इस बार प्रमुख जिला स्तरीय कार्यक्रम किशनगंज तहसील के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल रामगढ़ क्रेटर में



मालातलाई फायरिंग रेंज मैदान में मनाया जाएगा। इसके साथ ही शहर में श्री राम स्टेडियम में भी जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। राज्य सरकार से प्राप्त दिशा निर्देशों के अनुसार इस बार योग जिले के सभी प्रसिद्ध धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों पर एक साथ उल्लास पूर्वक किया जाएगा। जिले में जिला स्तरीय कार्यक्रमों के साथ अंता में शिव मंदिर प्रांगण नागादा, शाहाबाद में नगरकोट माताजी

मंदिर प्रांगण, छीपाबडौद में गोश मंदिर प्रांगण, बड़ा के बालाजी महाराज प्रांगण, वैद्य माता मंदिर प्रांगण छबड़ा, गुगीर माताजी प्रांगण, अट्रु में शेरगढ़ का किला, केलवाड़ा में सीताबाड़ी सरोवर, सोरसन में सोरसन माताजी प्रांगण, और बांसधूनी में पुरातात्विक छतरी बांसधूनी में जिले के प्रमुख धार्मिक स्थलों पर मनाया जाएगा। जिला कलक्टर ने सभी जिले वासियों का आव्हान किया है कि वे अधिक से अधिक संख्या में योग

महोत्सव में पहुंचकर योग दिवस को सार्थक बनाएं। इस संबंध में जिला कलक्टर ने आज कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए विभिन्न योग समितियों के प्रतिनिधियों से मुलाकात कर योग दिवस के पोस्टर का विमोचन भी किया। उन्होंने बताया कि इस संबंध में 20 जून की शाम 6 बजे खेल संकुल से श्रीराम स्टेडियम तक योग जागरूकता रैली का भी आयोजन किया जाएगा।

जिला कलक्टर ने बताया कि सभी स्थानों पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में प्रातः 6 बजे अतिथियों के आगमन के पश्चात माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का लाईव संदेश का प्रसारण जाएगा। इसके बाद सामूहिक योग अभ्यास के बाद योग संकल्प सभी प्रतिभागी लेंगे, वहीं स्वस्थ लोकतंत्र के सुदृढीकरण के उद्देश्य से योग भी वोट भी कार्यक्रम के अंतर्गत सभी सहभागियों के द्वारा मतदाता शपथ भी ली जाएगी।

## इनरव्हील क्लब बारां द्वारा थैंक्स पार्टी के आयोजन में हुआ विशिष्ट सदस्यों का सम्मान

बारां, (राँयल पत्रिका)। इनरव्हील क्लब बारां द्वारा थैंक्स पार्टी का आयोजन किया गया, जिसमें क्लब की वर्ष भर की गतिविधियों में सक्रिय योगदान देने वाले सदस्यों को सम्मानित किया गया। क्लब अध्यक्ष सीमा अग्रवाल ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य उन सभी सदस्यों के प्रति आभार प्रकट करना है, जिन्होंने वर्ष भर क्लब को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में अपना योगदान दिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ इनरव्हील प्रार्थना से हुआ। मुख्य अतिथि उर्मिला जैन, अध्यक्ष सीमा अग्रवाल एवं चार्टर प्रेसिडेंट ललिता टोंया का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। कार्यक्रम का संचालन बिंदु मारू एवं चन्दा ठाकुरिया ने किया। कार्यक्रम में मीडिया प्रभारी ललिता टोंया को क्लब की गतिविधियों को जिला व प्रांतीय स्तर पर समाचार के माध्यम से प्रभावी रूप से प्रस्तुत



करने हेतु विशेष सम्मान मिला। उर्मिला जैन को मांगरोल व अट्रु में दो नए क्लब स्थापित करने में सहयोग हेतु सम्मानित किया गया। इसके अलावा बिंदु मारू, चन्दा ठाकुरिया, किरण जैन (सेक्रेटरी), हेतु मंजू बंसल (कोषाध्यक्ष) को भी सेवा कार्यों में सक्रिय भागीदारी हेतु पुरस्कार दिए गए। चित्रा जैन, मुद्दुला मारू, प्रेरणा शर्मा, को भी साल भर क्लब की सेवा कार्य के लिए सम्मानित किया गया।

इस दौरान कई रंगारंग प्रतियोगिताओं का आयोजन भी हुआ। केटवॉक प्रतियोगिता में प्रथम शिल्पा गर्ग, द्वितीय सुलेखा जैन, तृतीय नीतू गुप्ता, मोनो एक्टिंग में प्रथम दिव्या जैन, द्वितीय विनीता विजय, तृतीय ललिता टोंया, शॉर्ट डॉस में प्रथम डॉ. नेहा गुप्ता, द्वितीय ममता नागर, तृतीय सुमन डोलिया, शू मैचिंग प्रतियोगिता में शिल्पा गर्ग, नेहा गुप्ता, सिंगल कलर ड्रेस मेरू चारु गुप्ता, रूप

सलोना राजश्री मेहता को पुरस्कार दिए गए। बाकी बचे क्लब के सभी सदस्यों को भी सात्वना पुरस्कार दिए गए। इसके अतिरिक्त हाऊजी प्रतियोगिता, सरप्राइज गिफ्ट्स, व मई-जून माह में जन्मी सदस्यों का केक काटकर जन्मदिन समारोह भी मनाया गया।

अंत में अध्यक्ष सीमा अग्रवाल ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रमों की निरंतरता बनाए रखने की बात कही, इंद्रा गालव, सुधा गोयनका, द्वारिका नागर, सुनीता यादवेंद्र, नीतू बड़जात्या, मीना अरोड़ा, रिश्म सोनी ने कार्यक्रम में महती भूमिका निभाई। क्लब में एक बहुत ही दुखद घटना हुई। वरिष्ठ सदस्या चित्रा जैन के जीवनसाथी दयाचंद जैन के आकस्मिक निधन पर 2 मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई।

## पाली विधायक भीमराज भाटी विधानसभा की प्रवर समिति के सदस्य बने

पाली, (राँयल पत्रिका)। राजस्थान विधानसभा में राजस्व मंत्री हेमन्त मीणा की अध्यक्षता में प्रवर कमेटी के सदस्य के रूप में पाली विधायक भीमराज भाटी को सदस्य बनाया गया। इस कमेटी में राजस्थान विधानसभा ने आखिर भू-राजस्व (संशोधन एवं विधिमन्थनकरण) विधेयक 2025 के लिये प्रवर समिति गठन की मंजूरी दे दी गई। राजस्व मंत्री हेमन्त मीणा ने प्रवर समिति के नाम तय करते हुए स्पीकर को भेजे गये थे। नाम फाईनल होते हुए स्पीकर ने प्रवर समिति को मंजूरी दे दी गई। इस प्रवर समिति में राजस्व मंत्री हेमन्त मीणा सभापति भीमराज भाटी, सोजत शोभा चौहान, ताराचन्द जैन, गुरुवीरसिंह, देवीसिंह शेखावत, कैलाश वर्मा, जेठाराम व्यास, शैलेन्द्रसिंह, हंसराज मीणा,



वेतन पटेल, सुरेश गुर्जर, दयाराम परमार, अनिल कटारा, जीवाराम चौधरी को शामिल किया गया। पाली विधायक भीमराज भाटी को प्रवर कमेटी में सदस्य चुनने से राजस्थान के साथ-साथ पाली जिले के राजस्व मामलों, आम रास्ते, अतिक्रमण आदि के साथ किसानों की राजस्व सम्बन्धित मूलभूत समस्या के समाधान के लिये आसान होगा, यह जानकारी विधायक प्रतिनिधि मदनसिंह जागरवाल ने दी।

## संविधान बचाओ रैली कार्यक्रम को लेकर छबड़ा, छीपाबडौद व अट्रु में कांग्रेस की बैठक 21 जून को

बारां, (राँयल पत्रिका)। बारां जिला मुख्यालय पर 23 जून को होने जा रहे कांग्रेस पार्टी के संविधान बचाओ रैली कार्यक्रम को लेकर सभी ब्लॉक मुख्यालयों पर कांग्रेस पार्टी पदाधिकारियों द्वारा तैयारी बैठकें ली जा रही है। इसी कड़ी में 21 जून को छबड़ा, छीपाबडौद एवं अट्रु ब्लॉक के कांग्रेसजनों की बैठक रखी गई है।

कांग्रेस जिला संगठन महामंत्री कैलाश जैन ने बताया कि कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड्गे के निर्देशानुसार सम्पूर्ण भारत में कांग्रेस पार्टी द्वारा संविधान बचाओ कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में बारां जिला मुख्यालय पर 23 जून को संविधान बचाओ कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष गोविन्दसिंह डोटासरा एवं नेता

प्रतिपक्ष टीकाराम जूली सहित कई नेतागण भाग लेंगे।

जिला कांग्रेस कमेटी बारां द्वारा आयोजित कार्यक्रम की सफलता को लेकर कांग्रेस के जिलाध्यक्ष रामचरण मीणा, पूर्व विधायक पानाचन्द मेघवाल, करणसिंह राठीड द्वारा 21 जून को दोपहर 12.00 बजे छबड़ा, दोपहर 2.00 बजे छीपाबडौद एवं सांय 5.00 बजे अट्रु में ब्लॉक के कांग्रेसजनों की बैठक ली जाएगी। जैन ने 21 जून को छबड़ा एवं छीपाबडौद की कांग्रेस की आयोजित उक्त बैठक में कांग्रेस पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं कांग्रेसजनों से अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने की अपील की गई है ताकि बारां जिला मुख्यालय पर आयोजित कार्यक्रम की सफलता को लेकर जिम्मेदारियां दी जा सकें।

हालांकि हर योगासन को करने का अलग लाभ होता है लेकिन सूर्य नमस्कार एक ऐसी योगिक प्रक्रिया है, जिसमें सात आसन और बारह मुद्राएं होती हैं। इनकी विधि और इनके लाभों के बारे में जानिए।

## तन-मन में ऊर्जा का संचार करे सूर्य नमस्कार

**योगिक क्रिया**  
संख्या राती



सूर्य नमस्कार का अभ्यास हमारे शरीर और मन को ऊर्जा, शक्ति और स्फूर्ति से लबाब कर देता है। प्रणाम मुद्रा: सीधे खड़े होकर एक गहरी श्वास-प्रश्वास लीजिए। अपने हथेलियों को प्रणाम की मुद्रा में सीने के सामने रखें। आंखों को ढीली बंद कर श्वास-प्रश्वास पर अपने मन को एकाग्र करें।

हस्त उत्तानपाद: प्रणाम मुद्रा के बाद श्वास अंदर को लेते हुए दोनों हाथों को सिर के ऊपर सीधा उठाते हुए धड़ को सुविधाजनक स्थिति तक पीछे झुकाएं। पाद हस्तासन: दूसरी स्थिति के बाद श्वास धीरे-धीरे बाहर निकालते हुए, सिर तथा धड़ को धीरे से आगे की ओर इतना झुकाएं कि अंतिम स्थिति में हथेलियां पैरों के अगल-बगल जमीन पर आ जाएं और माथा घुटने को स्पर्श करें। इस स्थिति में आने के लिए कोई जबर्दस्ती नहीं करना है। लेकिन यह ध्यान रखें कि स्लिप डिस्क, स्पॉन्डिलाइटिस, साइटिका तथा तीव्र कमर दर्द की शिकायत वाले सूर्य नमस्कार की इस अवस्था का अभ्यास न करें।

अश्व संचालन आसन: तीसरी अवस्था के बाद तुरंत श्वास अंदर लेते हुए दाएं पैर को पीछे ले जाएं। आगे वाले पैर को घुटने से मोड़ लें तथा पीछे वाले पैर का घुटना जमीन से स्पर्श करता है। दोनों हाथ अपने स्थान पर सीधी जमीन से संबन्धित बने रहें। सिर को पीछे ले जाते हुए कमर को धनुषाकार बनाएं।

पर्वतासन: चौथी अवस्था के बाद श्वास बाहर निकालते हुए दाएं पैर को भी दाएं पैर के पास ले जाएं। निरंतरता को भी अधिकतम सुविधाजनक स्थिति तक ऊपर उठाएं। कोशिश करें कि पैर की पंजियों तथा तलवे जमीन को स्पर्श करें और सिर दोनों हाथों के बीच में आ जाएं। अपने श्वास को सामान्य कर लें।

अष्टांग नमस्कार: अब श्वास बाहर निकालते हुए हथेलियों और पैर को यथा स्थान रखते हुए पूरे शरीर को नीचे जमीन पर इस तरह लें आएं कि शरीर के आठ अंग जमीन पर रहें लेकिन छाती और घुटने के बीच का भाग जमीन से ऊपर रहे।

भुजंगासन: छठी अवस्था के तुरंत बाद श्वास अंदर लेते हुए हाथ के सहारे धड़ को जमीन से इतना ऊपर उठाएं कि हाथ कोहनो से सीधे हो जाए।

पर्वतासन: सातवीं अवस्था के तुरंत बाद

सांस बाहर निकालते हुए पांचवीं अवस्था को दुहराते हुए पर्वतासन में आ जाएं। अश्वसंचालन आसन: पर्वतासन के तुरंत बाद श्वास अंदर लेते हुए दाएं पैर को आगे दोनों हाथों के बीच में ले आकर चौथी अवस्था अश्वसंचालन आसन में आ जाएं। पादहस्तासन: नौवीं अवस्था के बाद श्वास बाहर निकालते हुए बाएं पैर को भी हाथों के बीच में ले आकर पादहस्तासन में आ जाएं।

हस्तोत्तानासन: पादहस्तासन के बाद श्वास अंदर लेते हुए दोनों हाथों को ऊपर उठाते हुए सीधे खड़े होकर धड़ को सुविधाजनक स्थिति में अधिकतम की ओर ले जाएं।

प्राण मुद्रा: अब श्वास को बाहर निकालते हुए दोनों हाथों को पहली अवस्था की भांति सीने के सामने प्राण मुद्रा में ले आएं। साकवाधनी: यह सूर्य नमस्कार का आधा चक्र है। यही बारह मुद्राएं अश्वसंचालन आसन में बाएं पैर को पीछे की ओर ले जाकर करें। अन्य मुद्राएं समान हैं। शुरु में इसके एक या दो चक्रों के अभ्यास से ही शुरुआत करें। जैसे-जैसे आपकी क्षमता बढ़ती जाए इसके चक्रों संख्या भी बढ़ाते जाएं। महिलाओं को मासिक धर्म के दौरान और गर्भावस्था में तीसरे महीने के बाद भी इसका अभ्यास नहीं करना चाहिए।

होने वाले लाभ: इसके अभ्यास से शरीर की सभी मांसपेशियां और नसें क्रियाशील हो जाती हैं। पाचन, खून का संचालन, श्वास-प्रश्वास प्रणाली, उत्सर्जन अंग, स्किन और सभी ग्रंथियां क्रियाशील, शक्तिशाली एवं पृष्ठ होते हैं। शरीर में स्थित नाड़ी संस्थान को सक्रिय कर पूरे शरीर को संतुलित करता है। मोटापे को कम करता है। शरीर में खून के संचालन को सक्रिय कर लचीलापन बढ़ाता है। मस्तिष्क को शुद्ध खून पहुंचा कर स्मृति और धारण शक्ति को बढ़ाता है। मानसिक तनाव और भावनात्मक असंतुलन को दूर करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। \*

(योगाचार्य कौशल किशोर से बातचीत पर आधारित)

**योगोपचार**  
वेद प्रकाश आर्य  
योग प्रशिक्षक  
पतंजलि योग फाउंडेशन, कोलकाता

अस्त-व्यस्त जीवनशैली और असंतुलित खान-पान से आज के दौर में हर उम्र के लोग अनेक रोगों से ग्रस्त हो रहे हैं। जीवनशैली और आहार की आदतों में सुधार के साथ अगर आप कुछ आसनों और प्राणायाम का नियमित अभ्यास करें तो इन रोगों से बचे रह सकते हैं।

### कोलेस्ट्रॉल के लिए लाभकारी योगासन

उत्तानपादासन: इसे रेज्ड लेग पोज भी कहा जाता है। यह पेट की चर्बी को कम करने, पाचन में सुधार करने और पीठ दर्द में राहत देने में मदद करता है। साथ ही यह कूल्हों, जांघों, पेट और पीठ की मांसपेशियों को मजबूत करने में भी मदद करता है। यह आसन आंतों को सक्रिय करके कब्ज और गैस जैसी पाचन समस्याओं में राहत देता है। इतना ही नहीं यह आसन शरीर को शांत करके तनाव और चिंता को कम करने में मदद करता है।

उत्तानपादासन एक सरल और प्रभावी आसन है। अर्ध मत्स्येन्द्रासन: इसे भगवान मत्स्य की अर्द्ध मुद्रा भी कहा जाता है। यह आसन रीढ़ की हड्डी को घुमाकर और पेट के अंगों को उत्तेजित करके कई लाभ प्रदान करता है। इस आसन से पाचन में सुधार, पीठ दर्द में राहत और तनाव कम होने में मदद मिलती है। यह आसन पेट के अंगों को उत्तेजित करता है, जो मेटाबॉलिज्म को बेहतर बनाने में मदद करता है। यह आसन तनाव और चिंता को कम करने में मदद करता है। साथ ही यह रक्त संचार को बेहतर बनाता है, जिससे दिमाग को अधिक ऑक्सीजन मिलती है। इसे नियमित करने से पेट के अंगों का उद्दीपन होता है, जिससे मेटाबॉलिज्म बढ़ता है और वजन कम होता है। यह आसन यकृत, गुर्दे और अग्न्याशय की मालिश करता है और उन्हें उत्तेजित करता है, जिससे वे बेहतर ढंग से काम करते हैं।

हाई बीपी में कारगर योगासन  
शवासन: यह बेहद आसान लेकिन अत्यंत उपयोगी आसन है जो उच्च रक्तचाप (हाई बीपी) को नियंत्रित करने और हृदय स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद करता है। यह आसन शरीर को आराम देता है, तनाव को कम करता है, जिससे रक्तचाप प्राकृतिक रूप से कम होता है। शवासन में गहन विश्राम से रक्तचाप कम होता है और हृदय गति स्थिर रहती है। नियमित शवासन का अभ्यास हृदय स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद करता है।

### डायबिटीज में कारगर योगासन

मंडूकासन: यह डायबिटीज रोगियों के लिए फायदेमंद आसन है क्योंकि यह अग्न्याशय को उत्तेजित करके इंसुलिन के उत्पादन को बढ़ाता है,



जिससे ब्लड शुगर लेवल नियंत्रित रहता है। यह आसन पेट के अंगों की मालिश करता है, पाचन में सुधार करता है और तनाव को कम करता है, जिससे डायबिटीज से संबंधित जटिलताएं कम होती हैं। यह

इन दिनों हाई बीपी, बैड कोलेस्ट्रॉल (एलडीएल) जनित हार्ट डिजीज, डायबिटीज और थायरॉइड जैसी जीवनशैली से जुड़ी बीमारियां अधिसंख्य लोगों को परेशान कर रही हैं। इनकी समुचित चिकित्सा के साथ-साथ योगानुसार आसन और प्राणायाम भी किए जाएं तो स्थिति में तेजी से सुधार हो सकता है। इन्हें नियमित किया जाए तो इनके प्रकोप से बचा भी जा सकता है।

## जीवनशैली से उत्पन्न रोगों से बचाएं ये आसन और प्राणायाम

आसन वसा को बर्न करने में मदद करता है, जिससे जांघों और कूल्हों पर जमी चर्बी कम होती है। मंडूकासन तनाव, चिंता और अवसाद को कम करने में भी मदद करता है। लेकिन पेट में कोई बीमारी या ऑपरेशन होने पर मंडूकासन करने से पहले डॉक्टर से बात करें। अगर आपको हाइपरएसीडिटी है तो भी यह आसन न करें। गर्भवती महिलाओं को भी यह आसन नहीं करना चाहिए।

वक्रासन: इसे स्पाइनेल टिविस्ट भी कहा जाता है, यह डायबिटीज के मरीजों के लिए बेहद फायदेमंद होता है। यह अग्न्याशय (पैंक्रियाज) को उत्तेजित करता है, जिससे इंसुलिन का उत्पादन बेहतर होता है और रक्त शर्करा का स्तर नियंत्रित रहता है। यह आसन पाचन तंत्र को भी मजबूत करता है और पेट दर्द में राहत देता है। यह पीठ दर्द और लचीलेपन में सुधार करता है। यह तनाव और चिंता को भी कम करता है।

हाई बीपी में कारगर आसन  
शवासन: यह बेहद आसान लेकिन अत्यंत उपयोगी आसन है जो उच्च रक्तचाप (हाई बीपी) को नियंत्रित करने और हृदय स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद करता है। यह आसन शरीर को आराम देता है, तनाव को कम करता है, जिससे रक्तचाप प्राकृतिक रूप से कम होता है। शवासन में गहन विश्राम से रक्तचाप कम होता है और हृदय गति स्थिर रहती है। नियमित शवासन का अभ्यास हृदय स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद करता है।



को आराम देने में मदद करती है। हलासन को सही तरीके से करने के लिए योग प्रशिक्षक की निगरानी में ही करना चाहिए।

वक्रासन: डायमंड पोज कहा जाने वाला यह आसन, बीपी (ब्लड प्रेशर) को नियंत्रित करने में मदद करता है। यह आसन शरीर में रक्त परिसंचरण को बेहतर बनाता है, तनाव को कम करता है और पाचन में सुधार करता है। यह आसन तंत्रिका तंत्र को शांत करता है और तनाव को कम करता है, जो बीपी का एक प्रमुख कारण है। वक्रासन पाचन तंत्र को भी मजबूत बनाता है, जिससे भोजन का बेहतर पाचन होता है और यह बीपी को नियंत्रित करने में मदद करता है। यदि आपको घुटनों में दर्द या कोई स्वास्थ्य समस्या है, तो इसे करने से पहले अपने योग प्रशिक्षक से सलाह लें।

### थायरॉइड में कारगर योगासन

हलासन: योगासन की यह मुद्रा थायरॉइड ग्रंथि और योग के बीच के अनेक संबंध को दर्शाती है। इस मुद्रा में, आपकी गर्दन में खिंचाव होता है, जो आपकी थायरॉइड ग्रंथियों को उत्तेजित करने में मदद करता है। हलासन विशेष रूप से हाइपोथायरॉइडिज्म वाले व्यक्तियों के लिए फायदेमंद है क्योंकि इस आसन को करने पर थायरॉइड हार्मोन स्थापित होते हैं। यदि आपको हाइपरथायरॉइडिज्म है, तो आपको हलासन करने से बचना चाहिए। थायरॉइड स्राव को विनियमित करने के अलावा, यह स्थिति पीठ और पेट की मांसपेशियों को मजबूत करती है और स्वायत्त तंत्रिका तंत्र को आराम देने में मदद करती है। हलासन को सही तरीके से करने के लिए योग प्रशिक्षक की निगरानी में ही करना चाहिए।



हलासन को सही तरीके से करने के लिए योग प्रशिक्षक की निगरानी में ही करना चाहिए।

### प्राणायाम भी हैं लाभकारी



शामरी प्राणायाम: शामरी प्राणायाम तनाव और चिंता को कम करने में मदद करता है, जिससे बीपी और ब्लड शुगर को नियंत्रित करने में मदद मिलती है।



सर्वांगासन: शोल्डर स्टैंड यानी सर्वांगासन, थायरॉइड ग्रंथि पर दबाव डालकर काम करता है। इससे थायरॉइड ग्रंथि को पर्याप्त मात्रा में रक्त की



आपूर्ति होती है। सर्वांगासन रक्त को थायरॉइड ग्रंथियों में स्वतंत्र रूप से और आसानी से प्रसारित करने की अनुमति देता है। यह आसन थायरॉइड ग्रंथि में रक्त के स्राव के साथ हाइपोथायरॉइडिज्म के लक्षणों को रिवर्स करने में मदद करता है। ध्यान दें: यहां बताए गए किसी भी आसन या प्राणायाम का अभ्यास करने से पहले, किसी अनुभवी योग प्रशिक्षक से सलाह अवश्य लें। \*

प्रस्तुति: शिखर चंद जैन

**प्रभाव**  
अंजू जैन

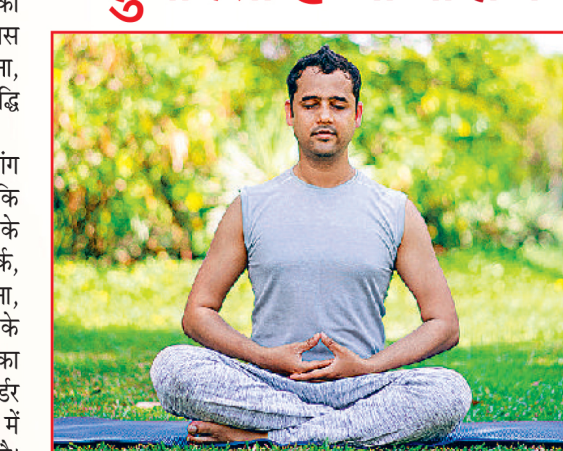
वास्तव में योग एक प्राचीन भारतीय अभ्यास है, जो शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य को संवारता है। यह आसन, प्राणायाम, ध्यान और अन्य तकनीकों का एक संयोजन है, जो शरीर और मन को एक साथ जोड़कर एक संतुलन बनाता है। योग का अर्थ है 'जुड़ना'। यह व्यक्तिगत चेतना को सार्वभौमिक चेतना से जोड़ता है। इसके अभ्यास से मन और शरीर के बीच सामंजस्य बैठाना, तनाव और चिंता कम करना और ऊर्जा में वृद्धि करना संभव है।

कई तरह से लाभकारी: हार्वर्ड हेल्थ पब्लिशिंग में प्रकाशित शोध से यह पता चलता है कि योगासन और ध्यान से कई मानसिक कार्यों के एजीक्यूशन में सुधार कर सकते हैं। जैसे तर्क, निर्णय लेने की क्षमता, स्मृति, सोचना, प्रतिक्रिया का समय और मानसिक तीक्ष्णता के परीक्षणों में सटीकता। कुछ शोधकर्ताओं का कहना है कि यह पोस्ट ट्राॉमेटिक स्ट्रेस डिसऑर्डर से पीड़ित लोगों को उनके लक्षणों से निपटने में मदद करने का एक प्रभावी तरीका हो सकता है। नियमित योग करने से ब्रेन का ग्रे मैटर बढ़ता है और मस्तिष्क में मौजूद न्यूरोन्स के नेटवर्क में पॉजिटिव बदलाव आता है। अध्ययनों से पता चलता है कि योग सहनशक्ति और शारीरिक-मानसिक स्फूर्ति में सुधार करता है। मिर्गी के रोगियों में, योग का अभ्यास करने से दौरे की संख्या में काफी कमी देखी गई है, यहां तक कि उन्हें पूरी तरह से रोका भी जा सकता है। ब्रिटेन में कार्डिफ यूनिवर्सिटी ब्रेन रिसर्च इमेजिंग सेंटर (क्यूब्रिक) की कॉन्निटिव नर्व साइंटिस्ट क्लाराडिया मेटज़लर-बैडेली का कहना है कि योग आपको लंबे समय तक स्वस्थ जीवन जीने में भी मदद कर सकता है। योग मस्तिष्क की बनावट को भी बदल देता है। अध्ययनों से पता चलता है कि योग का अभ्यास करने से ब्रेन का हिप्पोकेंपस, एफएमडाला, प्रीफ्रंटल कॉर्टेक्स, सिंगुलेट कॉर्टेक्स और मस्तिष्क नेटवर्क सहित मस्तिष्क के कुछ हिस्सों की संरचना और कार्य दोनों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। कुछ शोधकर्ताओं का कहना है कि इसमें उम्र से संबंधित और न्यूरोडीजेनेरेंटिव गिरावट को कम करने की क्षमता है।

कई अध्ययनों से पता चला है कि योग से मस्तिष्क में गामा-अमीनोब्यूटिरिक एसिड (गामा) का स्तर बढ़ता पाया गया है। यह

योगासन और ध्यान की महत्ता को अनेक देशों के वैज्ञानिक और डॉक्टर्स स्वीकार करते हैं। कई शोध बताते हैं कि इससे सिर्फ शारीरिक ही नहीं बल्कि मानसिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य को भी बहुत लाभ होता है। इस बारे में जानिए।

## मानसिक-आध्यात्मिक स्वास्थ्य सुधारता है योगासन और ध्यान



न्यूरोट्रांसमीटर तंत्रिका कोशिकाओं की रासायनिक संदेश प्राप्त करने और भेजने की क्षमता को अवरूद्ध करके मस्तिष्क की गतिविधि को धीमा कर देता है। शोधकर्ताओं ने पाया है कि जो लोग योग और ध्यान का अभ्यास करते हैं, उनमें साइटोकाइंस के उत्पादन में कमी देखी जाती है और इस प्रकार सूजन से संबंधित बीमारियों और स्थितियों के जोखिम में भी कमी आती है। अध्ययनों से पता चलता है कि योग अवसाद को कम कर सकता है। शोधकर्ताओं ने पाया है कि योग अन्य उपचारों, जैसे दवा और मनोचिकित्सा के बराबर है। ध्यान: यह एक अभ्यास है, जिसमें व्यक्ति अपने मन को एकाग्र और शांत करने के लिए शारीरिक और मानसिक तकनीकों का उपयोग करता है। यह ध्यान और जागरूकता को प्रशिक्षित करने की एक तकनीक है। ध्यान में, व्यक्ति को किसी एक वस्तु, ध्वनि, या विचार पर ध्यान केंद्रित करना होता है, ताकि मन को भटकने से रोका जा सके। ध्यान का अभ्यास करने से मानसिक शांति, भावनात्मक जागरूकता और तनाव कम करने में मदद मिलती है। ध्यान की कई अलग-अलग तकनीकें हैं, जैसे कि सांस पर ध्यान केंद्रित करना, मंत्रों

का जप करना या किसी वस्तु पर ध्यान केंद्रित करना। ध्यान का अभ्यास नियमित रूप से करने से व्यक्ति को तनाव कम करने, मानसिक शांति प्राप्त करने और अपने बारे में अधिक जागरूकता प्राप्त करने में मदद मिलती है। ध्यान के फायदे: यद्यपि ध्यान तनाव और चिंता को कम करने की एक तकनीक के रूप में जाना जाता है, यह आपके मूड को बेहतर बनाए रखने, स्वस्थ नींद पैटर्न को बढ़ावा देने और

संज्ञानात्मक कौशल को बढ़ाने में भी मदद कर सकता है। इसका इस्तेमाल खुद के और अपने क्षमता को अवरूद्ध करके मस्तिष्क की गतिविधि को धीमा कर देता है। ध्यान के फायदे: यद्यपि ध्यान तनाव और चिंता को कम करने की एक तकनीक के रूप में जाना जाता है, यह आपके मूड को बेहतर बनाए रखने, स्वस्थ नींद पैटर्न को बढ़ावा देने और

संज्ञानात्मक कौशल को बढ़ाने में भी मदद कर सकता है। इसका इस्तेमाल खुद के और अपने क्षमता को अवरूद्ध करके मस्तिष्क की गतिविधि को धीमा कर देता है। ध्यान के फायदे: यद्यपि ध्यान तनाव और चिंता को कम करने की एक तकनीक के रूप में जाना जाता है, यह आपके मूड को बेहतर बनाए रखने, स्वस्थ नींद पैटर्न को बढ़ावा देने और

संज्ञानात्मक कौशल को बढ़ाने में भी मदद कर सकता है। इसका इस्तेमाल खुद के और अपने क्षमता को अवरूद्ध करके मस्तिष्क की गतिविधि को धीमा कर देता है। ध्यान के फायदे: यद्यपि ध्यान तनाव और चिंता को कम करने की एक तकनीक के रूप में जाना जाता है, यह आपके मूड को बेहतर बनाए रखने, स्वस्थ नींद पैटर्न को बढ़ावा देने और

## योग से होता है हमारा तन-मन शांत-ऊर्जावान

आम लोग ही नहीं कई सेलिब्रिटीज भी योग का नियमित अभ्यास करते हैं। योगासन और ध्यान करने से क्या फायदे होते हैं, उनका योगा रूटीन क्या है, बता रहे हैं कुछ टीवी एक्टर्स अपनी जुबानी।

### स्टारस फिटनेस

#### बैलेंस बनाने में मदद करता है योग: अभिषेक शर्मा

जी टीवी पर टेलिकास्ट हो रहे शो 'वसुधा' में देवांश का किरदार निभाने वाले अभिषेक शर्मा योग को अपना लाइफ में महत्ता के बारे में बताते हैं, 'मैं बचपन में ही योग से जुड़ गया था। मुझे आज भी याद है, मेरी दादी हर सुबह प्राणायाम करती थीं। वो आंखें बंद करके बिल्कुल शांत बैठती थीं और धीरे-धीरे सांस लेती थीं। तब तो समझ नहीं आता था, लेकिन आज लगता है कि वही मेरा पहला परिचय था योगासन और ध्यान से। अब जब मैं एक्टिंग प्रोफेशन में हूँ और रोज नप-नप किरदार निभाने होते हैं, तो योग मेरे लिए बहुत बड़ा सहारा होता है। इससे दिमाग शांत हो जाता है और हर सीन में बेहतर ढंग से परफॉर्म कर पाता हूँ। यह सिर्फ शरीर को लचीला या फिट रखने का तरीका नहीं है, बल्कि मन को शांत करने और सोच को साफ करने का जरिया भी है। योग करने से मेरी नींद बेहतर हो गई है, इम्यूनिटी बढ़ी है और सबसे बड़ी बात यह कि अब मैं खुद को बेहतर समझने लगा हूँ। इसका असर मेरे काम पर भी दिखता है। योग मुझे बैलेंस बनाए रखने में मदद करता है। सच कहूँ तो योग ने सिर्फ मेरी बाँड़ी को नहीं, मेरी सोच और जिंदगी जीने का नजरिया बदल दिया है।' \*

संज्ञानात्मक कौशल को बढ़ाने में भी मदद कर सकता है। इसका इस्तेमाल खुद के और अपने क्षमता को अवरूद्ध करके मस्तिष्क की गतिविधि को धीमा कर देता है। ध्यान के फायदे: यद्यपि ध्यान तनाव और चिंता को कम करने की एक तकनीक के रूप में जाना जाता है, यह आपके मूड को बेहतर बनाए रखने, स्वस्थ नींद पैटर्न को बढ़ावा देने और

#### योग से दूर होते हैं थकान-तनाव: आदित्य रेडीज

सोनी सब चैनल पर आ रहे शो 'तेनारी रामा' में राजा कृष्ण देव राय की भूमिका में नजर आ रहे आदित्य रेडीज योग के बारे में कहते हैं, 'हमारा एक्टिंग प्रोफेशन, अपने साथ कई तरह की चुनौतियां लेकर आता है, जैसे लंबे काम के घंटे, जो अकसर थकान और मानसिक तनाव का कारण बनते हैं। ऐसे समय में मुझे योग बहुत मदद करता है। यह सिर्फ शारीरिक लचीलापन नहीं लाता है, बल्कि मन को रीसेट करने की जगह देने और शांत करने का एक माध्यम भी है। थोड़ी देर का भी योगाभ्यास या श्वास-प्रश्वास की क्रिया, थकान और तनाव से हमें शांति दिलाती है। हालांकि, जो मुझे वास्तव में संतुलित रखता है, वह है डेली अच्छी नींद। इसीलिए मैं इसे अपनी प्राथमिकता बनाकर रखता हूँ, क्योंकि यही मुझे मानसिक और शारीरिक रूप से सबसे अच्छा प्रदर्शन करने में मदद करती है। योग करने से मुझे नींद भी अच्छी आती है।' \*

#### योग से मैं ऊर्जावान महसूस करता हूँ: आसिफ शेख

इन दिनों एंड टीवी पर आ रहे शो 'भाबबी घर पर है' में विभूति नारायण मिश्रा का रोल निभाने वाले आसिफ शेख बताते हैं, 'योग मेरी जिंदगी में बहुत बड़ा बदलाव लाया है। यह सिर्फ एक एक्सरसाइज नहीं है, बल्कि जीवनशैली है। इससे मेरा तन और मन दोनों शांत रहते हैं। शूटिंग के लंबे घंटे और तनाव भरे शेड्यूल के बावजूद मैं अंदर से संतुलित और ऊर्जावान महसूस करता हूँ। हालांकि मेरे शूटिंग शेड्यूल को वजह से रेग्युलर टाइम पर योग करना थोड़ा मुश्किल होता है, लेकिन मैं जहां भी मौका मिलता है, वहां योग कर ही लेता हूँ। इससे मुझे बहुत रिलैक्स महसूस होता है और मैं दिनभर फिट बना रहता हूँ। योग मेरी जिंदगी का सबसे जरूरी हिस्सा पचासन है। जब मैं इस आसन में बैठता हूँ, तो ऐसा लगता है मानो पूरा शरीर स्थिर हो गया है और मन एकदम शांत हो गया है। यह स्थिति मुझे अपने अंदर झांकने का अवसर देती है। जैसे ही मैं पचासन में बैठकर आंखें बंद करता हूँ और कुछ गहरी सांसें लेता हूँ, एक अलग ही शांति महसूस होती है। ध्यान करने से मुझे सिर्फ मानसिक स्पष्टता ही नहीं मिलती, बल्कि यह मुझे मेरे काम पर भी बेहतर फोकस करने में मदद करता है। कई बार जब मैं थका हुआ होता हूँ या मानसिक रूप से तनाव महसूस करता हूँ, तब कुछ मिनटों का ध्यान मुझे बिल्कुल तरोजता कर देता है। इसके अलावा प्राणायाम भी करता हूँ, जिससे मेरी सांसें नियंत्रित रहती हैं और मानसिक स्पष्टता बनी रहती है।' \*

#### प्रस्तुति: सेहत फीचर्स

योग आसनों के फायदे: तन, मन और आत्मा का संपूर्ण समाधान जिसमें शारीरिक, मानसिक और आत्मिक संतुलन प्राप्त किया जाता है। इसके आसन, प्राणायाम और ध्यान की विधियां पूरे शरीर को स्वस्थ रखने में मदद करती हैं। योग आसनों के प्रमुख फायदे तनाव और चिंता से राहत: योग के आसनों और प्राणायाम से नर्वस सिस्टम शांत होता है, जिससे तनाव और चिंता में कमी आती है। विशेषकर शवासन, भ्रामरी प्राणायाम, और अनुलोम-विलोम इसके लिए रामबाण है।

## सिर्फ मनोरंजन नहीं, सीख भी देंगी आमिर की ये 3 सोशल मैसेज वाली फिल्म 'सितारे जमीन पर'

आमिर खान, जिन्हें हम मिस्टर परफेक्शनिस्ट के नाम से भी जानते हैं, या फिर कहे ऐसी फिल्मों, जिनमें उनकी सोशल देशभक्ति भी झलकती है. बता दें कि आमिर खान की फिल्म सितारे जमीन पर की रिलीज से पहले की स्टूट्टेजी का खुलासा हो गया है। आमिर खान जिन्हें हम मिस्टर परफेक्शनिस्ट के नाम से भी जानते हैं, ऐसा इसलिए है क्योंकि वो फिल्म की स्क्रिप्ट बहुत समझदारी से चुनते हैं और जब वो कोई स्क्रिप्ट चुनते हैं तो उस स्क्रिप्ट में उन्हें जो रोल दिया जाता है, उसे वो बखूबी निभाते हैं। आमिर खान ने हर जोनर की फिल्मों की हैं, लेकिन दर्शक उन्हें समाज को अच्छा संदेश देने वाली फिल्मों के लिए जानते हैं। तो रिलीज से पहले आइए देखते हैं कि ये 3 सोशल मैसेज वाली फिल्मों 'सितारे जमीन पर' इतनी खास क्यों होने वाली हैं, जो न सिर्फ आपका मनोरंजन करेंगी, बल्कि आपको सीख भी देंगी। सिर्फ मनोरंजन नहीं, सीख भी देंगी



'सितारे जमीन पर' जहां 'तारे जमीन पर' में एक टीचर ने डिस्टोक्सिक स्टूडेंट की पढ़ाई में मदद की थी, वहीं 'सितारे जमीन पर' में कहानी उलट गई है। आमिर खान की इस स्पोर्ट्स ड्रामा में आमिर खान का किरदार एक बास्केटबॉल कोच का है, जिसे सस्पेंड कर दिया गया है। सजा के तौर पर उसे न्यूरोडेवलपमेंटल डिफरेंस वाले लोगों का कोच बना दिया जाता है। इस फिल्म में यह देखा दिलचस्प होगा कि न्यूरोडेवलपमेंटल डिफरेंस वाले लोगों की जिंदगी कैसी होती है, वे अपनी जिंदगी कैसे जीते हैं और मेच जीतने के लिए खुद को किस

हद तक तैयार करते हैं? मेकर्स और डिस्ट्रीब्यूटर ने सिनेमाघरों को रिक्वायरमेंट की भेजी लिस्ट सितारे जमीन पर के मेकर्स और डिस्ट्रीब्यूटर ने फिल्म के लिए काफी प्लानिंग की है। बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट के मुताबिक आमिर की फिल्म को सेंसर सर्टिफिकेट मिलने के बाद डिस्ट्रीब्यूटर ने सभी सिनेमाघरों को रिक्वायरमेंट की लिस्ट भेज दी है। स्क्रीन की रिक्वायरमेंट के बारे में ज्यादा जानकारी देते हुए बताया गया कि अगर कोई सिंगल स्क्रीन फिल्म चलाना चाहती है तो एग्जीबिटर को 'सितारे जमीन पर'

के सभी शो दिखाए होंगे। इसके बाद वे कोई दूसरी फिल्म नहीं दिखा पाएंगे। दो स्क्रीन वाले मल्टीप्लेक्स को 8 शो चलाने होंगे। 3, 4, 5 और 6 स्क्रीन वाले मल्टीप्लेक्स को हर हाल में 11, 14, 16 और 19 शो चलाने होंगे। 7 स्क्रीन वाले मल्टीप्लेक्स के लिए 22 शो तय किए गए हैं, जबकि 8 स्क्रीन वाले मल्टीप्लेक्स के लिए 25 शो प्रतिदिन अनिवार्य हैं। 9 स्क्रीन वाले मल्टीप्लेक्स में 28 शो होने चाहिए और 10 या उससे अधिक स्क्रीन वाले मल्टीप्लेक्स के लिए 31 शो तय किए गए हैं।

## नवजोत सिद्धू की वापसी पर पहले गेस्ट बने सलमान खान

-सोशल मीडिया पर लिखा- सिकंदर का स्वैग, कपिल की टाइमिंग ब्लॉकबस्टर होगी

पूर्व क्रिकेटर व कांग्रेस नेता नवजोत सिंह सिद्धू की द ग्रेट इंडियन कपिल शो के साथ कॉमेडी शो में वापसी हो रही है। इसका नया सीजन 21 जून से शुरू हो रहा है। इसमें नवजोत सिंह सिद्धू और कपिल शर्मा एक साथ दिखेंगे। शो का नया टीजर जारी किया गया है, जिसमें पहले ही एपिसोड में बॉलीवुड एक्टर सलमान खान गेस्ट के तौर पर नजर आएंगे। इस टीजर को नवजोत सिंह सिद्धू ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर साझा किया है। सिद्धू ने टीजर पोस्ट करने के साथ लिखा- 'सिकंदर का स्वैग, कपिल की टाइमिंग और सिद्धू की वापसी ब्लॉकबस्टर होने जा रही है।' टीजर में सिद्धू के अलावा कपिल शर्मा, कृष्णा अभिषेक, कीर्ति शारदा और अर्चना पूरन सिंह भी नजर आ रहे हैं। हंसते गाते दिखे सलमान खान नवजोत सिंह सिद्धू की तरफ से जो टीजर अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट किया गया। उसमें सलमान खान हंसते-गाते दिख रहे हैं। इस दौरान कपिल शर्मा सलमान खान से पूछते नजर आ रहे हैं कि आमिर खान

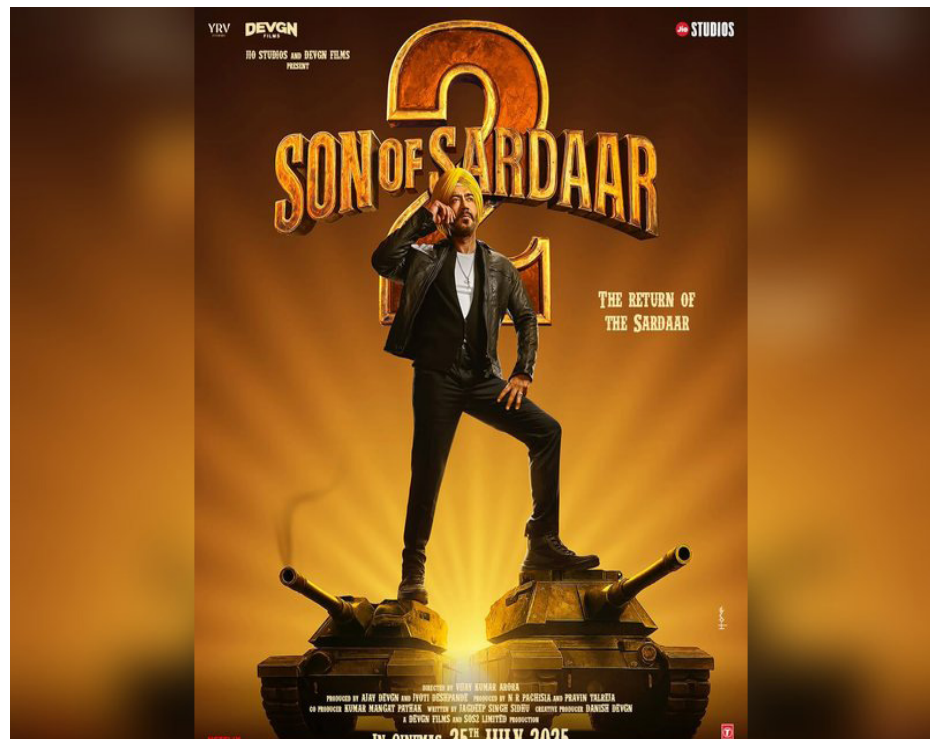


ने सबको अपनी गर्लफ्रेंड गौरी से मिला दिया। वह रुके ही नहीं। और आप हैं कि कर ही नहीं रहे। इसका जवाब देते हुए सलमान ने कहा- आमिर की बात ही अलग है। वह परफेक्शनिस्ट है। जब तक शादी को वह एकदम परफेक्ट नहीं बना लेगा...। कपिल के शो की तारीफ करते दिखे सलमान सलमान खान टीजर में कपिल के शो की तारीफ करते

दिखे। सलमान खान ने कहा कि कभी यह शो हमारे पास हुआ करता था। आज हमसे छिनकर इस शो में हमें ही पहला गेस्ट बनाया गया है। यह नेटफ्लिक्स की ताकत है। शो के दौरान सलमान खान और कपिल शर्मा गाते भी दिखे। दोनों ने मिलकर ओ-ओ जाने जाना... गीत भी गाया। वहीं, शो के दौरान नवजोत सिंह सिद्धू सामने कुर्सी पर बैठे दिखे, जहां

वह अपने पहले अंदाज की तरह ही हंसी के ठहाके लगाते दिखे। राजनीतिक विरोध के बाद 2019 में छोड़ना पड़ा था शो बता दें कि नवजोत सिंह सिद्धू को 2019 में पुलवामा हमले के बाद उपजे विवाद के कारण द कपिल शर्मा शो छोड़ना पड़ा था। इसके बाद उनकी जगह अर्चना पूरन सिंह ने ली थी, जो अब तक शो का हिस्सा हैं।

## जारी हुआ 'सन ऑफ सरदार 2' का पहला पोस्टर, टैंकर पर खड़े नजर आए अजय देवगन



अजय देवगन जल्दी ही अपनी नई फिल्म 'सन ऑफ सरदार 2' से बड़े पर्दे पर आने वाले हैं। फिल्म का पहला पोस्टर जारी हो गया है। अजय देवगन की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'सन ऑफ सरदार 2' का पोस्टर जारी हो गया है। पोस्टर में अजय देवगन पगड़ी पहने सरदार के लुक में नजर आ रहे हैं। वह दो टैंकों पर खड़े हैं। फिल्म की रिलीज डेट भी सामने आई है। यह फिल्म साल 2012 में रिलीज हुई फिल्म 'सन ऑफ सरदार' का सीकवल है। पोस्टर में क्या है? 'सन ऑफ सरदार 2' के नए पोस्टर में देखा जा सकता है कि अजय देवगन पीली पगड़ी पहने एक्शन में

खड़े हैं। उन्होंने पैट, टी-शर्ट, सदरी पहनी हुई है। ऊपर से काली जैकेट पहनी है। अजय देवगन दो टैंकों पर खड़े हैं। पोस्टर पर लिखा है 'सन ऑफ सरदार 2'। इसकी टैग लाइन है 'द रिटर्न ऑफ सरदार' (सरदार की वापसी)। पोस्टर में इसकी रिलीज डेट भी लिखी है। कब रिलीज होगी फिल्म 'सन ऑफ सरदार 2' में अजय देवगन के अलावा मृणाल ठाकुर और संजय दत्त अहम रोल में होंगे। फिल्म में अजय देवगन एक बार फिर जस्सी के किरदार में नजर आने वाले हैं। फिल्म का निर्देशन विजय कुमार अरोड़ा कर रहे हैं। फिल्म का प्रोडक्शन अजय देवगन कर रहे हैं। नए पोस्टर के मुताबिक

'सन ऑफ सरदार 2' 25 जुलाई को रिलीज होगी। 'सन ऑफ सरदार' के बारे में फिल्म 'सन ऑफ सरदार' साल 2012 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में अजय देवगन के अलावा सोनाक्षी सिन्हा और संजय दत्त थे। फिल्म में दिखाया गया था कि अजय देवगन को सोनाक्षी से प्यार हो जाता है लेकिन सोनाक्षी के भाई संजय दत्त इस रिश्ते के खिलाफ होते हैं। फिल्म इसी के आस-पास घूमती है। फिल्म का बजट 30 करोड़ रुपये था। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 161.48 करोड़ रुपये की कमाई की थी।

## कैंसर से जूझ रही हिना खान के डेढ़ साल बाद बड़े बाल, खुद शेव किया था सिर

-कैंसर सर्वाइवर हिना खान की सेहत धीरे-धीरे ठीक हो रही है। कीमोथेपी के दौरान मुंडवाए बाल भी बढ़ रहे हैं। उन्होंने कुछ तस्वीरें शेयर करते हुए इसकी झलक दिखाई है।

हिना खान को कैंसर से जंग जारी है। एक्ट्रेस लगातार कैंसर का इलाज करा रही हैं। इलाज शुरू होने के कुछ दिन बाद ही एक्ट्रेस ने अपने बाल मुंडवा दिए थे। अब उन्होंने कैंसर के साथ खुशखबरी साझा की और अपने खिले हुए चेहरों के साथ तस्वीरें पोस्ट की हैं। टीवी की लोकप्रिय एक्ट्रेस हिना खान इन दिनों जिंदगी के नए चैप्टर को शुरू कर चुकी हैं और इसके खुलकर जी रही हैं। हाल ही में उन्होंने अपने लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड रॉकी जायसवाल के साथ गुपचुप तरीके शादी की है और अब अपनी नई जिंदगी के हर लम्हे को दिल से जी रही हैं। शादी की खुशियों के बीच हिना ने एक बेहद भावुक पोस्ट शेयर किया है, जो न सिर्फ उनके कैंसर के लिए खुशी की बात है बल्कि कैंसर से जूझ रहे सभी लोगों के लिए एक उम्मीद की किरण भी है। हिना खान ने अपनी नई तस्वीरों को पोस्ट करते हुए एक लाइफ अपडेट साझा किया है, जो सोशल मीडिया पर आते ही वायरल हो गया है। दरअसल, हिना खान ने इंस्टाग्राम पर कुछ लेटेस्ट तस्वीरें शेयर की हैं जिनमें उन्होंने अपने लंबे हुए बालों की दो छोटी-छोटी चौटियां बनाई हैं। इन तस्वीरों में वो पिक नाइट सूट पहने नजर आ रही है। ये पल उनके लिए बेहद खास है क्योंकि करीब डेढ़ साल पहले उन्होंने ब्रेस्ट



कैंसर के इलाज के दौरान अपने बाल पूरी तरह से मुंडवा दिए थे। एक्ट्रेस ने अपने हाथों से बालों को शेव किया था। ऐसे उन्होंने कीमोथेरेपी सेशन के दौरान किया था, क्योंकि कीमोथेरेपी की रेडिएशन से बाल झड़ते हैं और स्किन भी खराब होती है। कई बार उन्होंने अपने शरीर पर पड़े घाव की झलक भी दिखाई और बताया कि वो इससे कैसे झेल रही हैं। हिना ने साझा की खुशी- फिलहाल अब खुशी की बात है और हिना ने पोस्ट शेयर करके लिखा, 'डेढ़ साल बाद अपने बालों की चोटी बांधी, बता नहीं सकती, हाउउउउउ

हाउउउउउ! मुझे वो हेयर फ्लिप बहुत प्यार आए, इंतजार कर रही हूँ, वनडे एट ए टाइम, उफफ ये छोटी छोटी खुशियाँ।' इन तस्वीरों के वायरल होते ही पोस्ट पर लोगों के रिप्लेक्सन भी सामने आने लगे। लोगों ने अपनी खुशी भी पोस्ट पर साझा की। एक शख्स ने लिखा, 'किसी भी कैंसर पेशेंट के लिए सिर पर बाल आना सबसे बड़ी खुशी होती है।' एक और शख्स ने लिखा, 'हिना अब जल्द ही पूरी तरह कैंसर से जंग जीतकर ठीक हो जाएंगी।' वहीं एक और शख्स ने लिखा, 'अब उनकी जिंदगी में खुशियाँ लौट रही हैं और हम भी

इससे काफी खुश हैं।' तबीयत में हो रहा सुधार- यह बात किसी से छुपी नहीं है कि हिना ब्रेस्ट कैंसर की स्टेज-3 से जूझ रही हैं। उन्होंने इलाज के हर कठिन पड़ाव को साहस और आत्मविश्वास से पार किया। कीमोथेरेपी के कारण जब बाल झड़ने लगे तो उन्होंने खुद ही बाल मुंडवा लिए और उन्हीं बालों से विग बनाकर पहनना शुरू किया। ये साहसिक कदम उन्होंने कैंसर के सामने बेझिझक शेयर किया और हजारों लोगों को अपने आत्मबल से प्रेरित किया। अब उनकी तबीयत में सुधार है और

बाल भी दोबारा आने लगे हैं। जल्द करेंगे इस सीरीज से वापसी- हिना अब दोबारा एक्टिंग की दुनिया में भी वापसी कर रही हैं। वे जल्द ही एक वेब सीरीज 'पति, पत्नी और पंगा' में नजर आएंगी। वहीं उनकी निजी जिंदगी में भी नई शुरुआत हो चुकी है। हिना और रॉकी की प्रेम कहानी 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' के सेट से शुरू हुई थी, जब रॉकी शो के सुपरवाइजिंग प्रोड्यूसर थे और हिना मुख्य किरदार 'अक्षरा' निभा रही थीं। आज ये रिश्ता शादी के बंधन तक पहुंच चुका है।

## एयरपोर्ट पर 'जेंटलमैन' बन जाए जॉन अब्राहम, महिला स्टाफ को देख किया कुछ ऐसा; जमकर हो रही तारीफ

-अब्राहम का एक अनोखा अंदाज देखने को मिला। उन्होंने महिला स्टाफ को देखते ही कुछ ऐसा किया जिसके फैंस कायल हो गए।



बॉलीवुड एक्टर जॉन अब्राहम लाइमलाइट से दूर रहना ही पसंद करते हैं। लेकिन कई ऐसे मौके होते हैं जब उन्हें स्पॉट कर लिया जाता है। ऐसे में उन्हें अपने केमरे में कैद करने के लिए पैपराजी में होड़ मच जाती है। अब हाल ही में एयरपोर्ट से उनका एक दिल छू लेने वाला वीडियो सामने आया है जो फैंस को इंप्रेस कर रहा है। जॉन अब्राहम हमेशा से ही डाउन-टू-अर्थ इंसान रहे हैं। यही वजह है कि फैंस उनका बेहद सम्मान

करते हैं। अब हाल ही में उनका एक वीडियो इंटरनेट पर छाया हुआ है जिसमें वो अपने एक यंग फैन से हंसी-खुशी मिलते हैं और उनका लाया गुलदस्ता धैर्य बोलते हुए स्वीकार कर लेते हैं। इसके बाद उन्होंने कुछ ऐसा किया कि महिला स्टाफ खुशी से झूम उठी। इंटरनेट पर छाए वीडियो में क्या? दरअसल, वीडियो में जॉन अब्राहम एयरपोर्ट से कूल लुक में निकलते हुए दिखाई दे रहे हैं। एक्टर के बाहर आते ही उनका एक फैन

फूलों का गुलदस्ता उन्हें भेंट करता है। एक्टर भी उसे नाराज नहीं करते और भेंट स्वीकार कर लेते हैं। वो फैन को धन्यवाद देते हैं और उससे चलते-चलते कुछ बातचीत करते हैं। इसके बाद एक्टर उससे पूछते हैं कि क्या वो गुलदस्ता वो महिला स्टाफ को दे सकते हैं? इस पर शख्स हामी भरता है। ऐसे में एक्टर वो गुलदस्ता महिला स्टाफ को दे देते हैं। महिला भी खुशी से एक्टर का शुक्रिया करती है। जॉन की तारीफ करते नहीं थक रहे फैंस अब ये पूरा नजारा इंटरनेट पर धड़ल्ले से वायरल हो रहा है। हर कोई जॉन अब्राहम के इस अंदाज की तारीफ कर रहा है और वीडियो को रिपीट मोड पर देख रहा है। वहीं यूजर्स बड़-चढ़कर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, 'वो सच में जेंटलमैन हैं। उन्होंने गुलदस्ता महिला को देने से पहले उससे पूछा।' एक यूजर

ने लिखा, 'वो कोई गलती नहीं कर सकते हैं।' एक और यूजर ने लिखा, 'फिल्म में खलनायक, असल जिंदगी में इतना विनम्र।' एक यूजर ने लिखा, 'उन्होंने महिला का दिन बना दिया।' एक यूजर ने लिखा, 'ये बंदा पूरी बॉलीवुड इंडस्ट्री से अलग है।' एक और ने लिखा, 'वो बहुत अच्छे इंसान है।' जहां कुछ लोगों ने जॉन को विनम्र बताया, तो वहीं अन्य ने उनके इस अंदाज की तारीफ की। जॉन अब्राहम अपकमिंग प्रोजेक्ट्स बता दें कि जॉन अब्राहम को आखिरी बार 'द डिप्लोमेट' में देखा गया था। पिंकविला की रिपोर्ट के मुताबिक, जॉन अब्राहम की पाइपलाइन में राकेश मारिया की एक बायोपिक है। इस बायोपिक के साथ जॉन पहली बार रोहित शेट्टी के साथ काम करेंगे। ये फिल्म आगले साल की शुरुआत में बड़े पर्दे पर दस्तक दे सकती है।

## क्या एड शीरन शाहरुख खान की फिल्म किंग से बॉलीवुड में अपना गायन करियर शुरू कर रहे हैं? आइये जानते हैं क्या है इसकी जानकारी!

ब्रिटिश गायक-गीतकार एड शीरन ने पुष्टि की है कि उन्होंने शाहरुख खान की आगामी फिल्म के लिए एक हिंदी ट्रैक रिकॉर्ड किया है, जिससे ऑनलाइन अटकलों का दौर शुरू हो गया है। यह खुलासा उनके नवीनतम सिंगल 'सफायर' के निर्माण के दौरान साझा किए गए एक बिहाइंड द सीन वीडियो में हुआ, जिसमें पहले से ही बॉलीवुड सुपरस्टार का एक आश्चर्यजनक कैमियो है। हालांकि फिल्म का नाम आधिकारिक तौर पर घोषित नहीं किया गया है, लेकिन प्रशंसकों को यकीन है कि यह प्रोजेक्ट किंग है - शाहरुख खान की अगली बड़ी थ्रिलर रिलीज, जिसका निर्देशन सिद्धार्थ आनंद करेंगे। घोषणा के बाद से ही इस प्रोजेक्ट को गुप्त रखा गया है, लेकिन शीरन की टिप्पणियों और 'सफायर' के इर्द-



गिर्द हाल ही में हुए घटनाक्रमों को अब गहरे सहयोग के मजबूत संकेतक के रूप में देखा जा रहा है।

एड शीरन द्वारा अपने यूट्यूब चैनल पर बिहाइंड द सीन वीडियो पोस्ट करने के बाद, एक प्रशंसक ने एक छोटा सा हिस्सा देखा, जिसमें वह

अरिजीत सिंह के साथ अपने गाने 'सफायर' का पंजाबी संस्करण रिकॉर्ड करते हुए दिखाई दे रहे हैं।

# तेंदुलकर एंडरसन ट्रॉफी: इंग्लैंड में 18 साल से टेस्ट सीरीज नहीं जीता भारत

## -94 साल में केवल 3 बार जीती सीरीज, द्रविड़ की कप्तानी में मिली थी आखिरी कामयाबी

(लीड्स भाषा)। भारत और इंग्लैंड के बीच क्रिकेट इतिहास में एक लंबी और दिलचस्प प्रतिस्पर्धा रही है। दोनों टीमों के बीच खेले गए मुकाबले सिर्फ स्कोरबोर्ड की बात नहीं करते, बल्कि यह दो अलग क्रिकेट संस्कृतियों, परंपराओं और जुनून की टक्कर होती है। 2025 में जब भारत इंग्लैंड दौरे पर पहुंचेगा, तो एक नई ट्रॉफी — तेंदुलकर-एंडरसन ट्रॉफी — के लिए खेला जाएगा। यह ट्रॉफी भारतीय महान सचिन तेंदुलकर और इंग्लैंड के दिग्गज तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन के नाम पर रखी गई है, जिन्होंने दोनों टीमों के बीच वर्षों तक शानदार प्रदर्शन किया।

लेकिन इस ट्रॉफी के आरंभ से भी बड़ा सवाल यह है: क्या भारत आखिरकार इंग्लैंड की ज़मीन पर टेस्ट सीरीज जीतने का 18 साल पुराना सखा खत्म कर पाएगा?

**इंग्लैंड में भारत का टेस्ट रिकॉर्ड: इतिहास से सबक**  
भारतीय टीम ने 1932 में इंग्लैंड में अपना पहला टेस्ट खेला था। इसके बाद 2024 तक भारत ने इंग्लैंड में कुल 14 टेस्ट सीरीज खेले, जिनमें से सिर्फ 3 में जीत हासिल की।

1971: अजित वाडेकर की कप्तानी में पहली ऐतिहासिक सीरीज जीत।

1986: कपिल देव के नेतृत्व में भारत ने 2-0 से सीरीज जीती।

2007: राहुल द्रविड़ की कप्तानी में आखिरी बार भारत ने इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज अपने नाम की।

उसके बाद से 2011, 2014 और 2018 — तीनों ही इंग्लैंड दौरे भारत के लिए बेहद चुनौतीपूर्ण साबित हुए। भारत ने कुछ मैच ज़रूर जीते, लेकिन सीरीज हारता रहा।



2007: द्रविड़ की चुपचाप लेकिन निर्णायक कप्तानी

2007 की इंग्लैंड सीरीज को क्रिकेट इतिहास में भारत की सबसे संतुलित विदेशी टेस्ट जीतों में गिना जाता है।

राहुल द्रविड़, जो 'द वॉल' के नाम से मशहूर रहे, ने अपनी शांत और दृढ़ नेतृत्व शैली से टीम को वह जीत दिलाई जो उसके बाद अब तक नहीं दोहराई जा सकी।

इस दौरे पर ज़हीर खान की घातक गेंदबाज़ी, अनिल कुंबले का अनुभव और सचिन-गंगुली-लक्ष्मण की क्लासिक बल्लेबाज़ी का अद्भुत संगम देखने को मिला। नॉटिंगहम टेस्ट भारत ने जीता, जबकि बाकी दो टेस्ट ड्रॉ रहे।

यह जीत इसलिए भी ऐतिहासिक मानी जाती है क्योंकि इंग्लैंड की परिस्थितियों में स्पिनर्स और एशियाई बल्लेबाज़ अक्सर असहज रहते हैं।

2011 से 2021: करीब पहुंच कर चूक गई टीम इंडिया

2011 में धोनी की कप्तानी में भारत इंग्लैंड गया, लेकिन 0-4 से शर्मनाक हार झेलनी पड़ी।

2014 में कोहली की अगुवाई में भारत ने लॉर्ड्स टेस्ट जीतकर उम्मीद जगाई, लेकिन सीरीज 1-3 से गंवा दी।

2018 में भी भारत 1-4 से हार गया, हालांकि कोहली ने उस सीरीज में बेहतरीन प्रदर्शन किया।

2021-22 में भारत ने इंग्लैंड में चार टेस्ट खेले और 2-1 की बढ़त बनाई, लेकिन कोविड के चलते अंतिम टेस्ट 2022 में खेला गया। भारत वह टेस्ट हार गया और सीरीज 2-2 से ड्रॉ हो गई।

**तेंदुलकर-एंडरसन ट्रॉफी का महत्व**

भारत-इंग्लैंड टेस्ट सीरीज का नया नामकरण दो सबसे बड़े दिग्गज खिलाड़ियों के नाम पर किया गया है —

सचिन तेंदुलकर, जिन्होंने इंग्लैंड में कई यादगार पारियां खेलीं, और जेम्स एंडरसन, जिनका भारत

के खिलाफ रिकॉर्ड अविश्वसनीय है (अकेले कोहली को कई बार आउट किया)।

यह ट्रॉफी सिर्फ नामकरण नहीं है, बल्कि दोनों देशों के बीच टेस्ट क्रिकेट को सम्मान देने की एक पहल है।

2025 में उम्मीदें और चुनौतियां अब जब भारत एक बार फिर इंग्लैंड दौरे की तैयारी कर रहा है, तो कुछ सवाल और कुछ उम्मीदें साथ चल रही हैं:

गिल, पंत और लोकेश राहुल जैसे अनुभवी बल्लेबाज़।

जसप्रीत बुमराह, और सिराज जैसी तेज गेंदबाजी यूनिट।

रवींद्र जडेजा और अश्विन जैसे स्पिन ऑलराउंडर।

यशस्वी जैसे युवा जोशीले खिलाड़ी।

**चुनौतियां:**

इंग्लैंड की हरी पिचों और तेज हवा, जो स्विंग गेंदबाज़ों के लिए आदर्श होती हैं।

## लीड्स में कल से शुरू होगा भारत-इंग्लैंड टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला, पिच होगी सख्त और सपाट

### -सूखे मौसम में बल्लेबाजों को बढ़त की उम्मीद

लीड्स (इंग्लैंड)। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की बहुप्रतीक्षित टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला कल लीड्स के हेडिंग्ले मैदान में शुरू होने जा रहा है। इस सीरीज पर क्रिकेट प्रेमियों की नज़रें टिकी हैं, और पहले टेस्ट को लेकर दोनों टीमों ने अपनी तैयारियां पूरी कर ली हैं।

मौसम विभाग की मानें तो लीड्स में पिछले कुछ दिनों से सूखा मौसम बना हुआ है और बारिश की संभावना बहुत कम है। इस वजह से पिच काफी सख्त और सपाट हो गई है, जिससे बल्लेबाजों को काफी मदद मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। यही नहीं, सूखी पिच पर स्पिनर्स भी प्रभावी भूमिका निभा सकते हैं, जिससे मुकाबले में दिलचस्प उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकते हैं।

**सूखी पिच पर बैटर्स का बोलबाला**

सूखे मौसम में पिच में नमी की मात्रा कम हो जाती है, जिससे उछाल स्थिर और अनुमान योग्य हो जाती है। इस तरह की सतह पर तेज़ गेंदबाजों को सीम मूवमेंट या स्विंग उतनी नहीं मिलती, जितनी कि हरी या नम पिच पर। यही कारण है कि बल्लेबाजों को क्रीज पर टिकने और लंबे समय तक रन बनाने के बेहतर मौके मिलते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर शुरुआती घंटे में विकेट नहीं गिरते, तो बैटिंग करने वाली टीम 400 से ऊपर का स्कोर खड़ा कर सकती है।

खासकर भारतीय बल्लेबाजों के लिए यह एक सुनहरा मौका हो सकता है, क्योंकि उनके पास शुभमन गिल, लोकेश राहुल और सीम मूवमेंट तकनीकी रूप से मजबूत खिलाड़ी हैं।

**लीड्स की पिच का इतिहास और व्यवहार**



लीड्स का हेडिंग्ले क्रिकेट मैदान

हेडिंग्ले की पिच पारंपरिक रूप से इंग्लैंड में उन मैदानों में से एक रही है जहां तेज़ गेंदबाजों को मदद मिलती रही है, लेकिन इस बार मौसम ने पिच की प्रकृति बदल दी है। पिछले कुछ समय से लीड्स में बारिश नहीं हुई है, जिससे मिट्टी की नमी सूख गई है। पिच अब सख्त और दरारों वाली हो गई है, जो कि बाद के दिनों में स्पिनर्स को भी मदद कर सकती है।

सन 2021 में इसी मैदान पर खेले गए भारत-इंग्लैंड टेस्ट में इंग्लैंड ने पहली पारी में भारत को 78 रन पर समेट दिया था, लेकिन तब मौसम में नमी और बादलों की मौजूदगी ने तेज़ गेंदबाजों के लिए स्विंग और सीम मूवमेंट उपलब्ध कराई थी। इस बार परिदृश्य बिल्कुल अलग है।

**भारतीय टीम की संभावित प्लेइंग इलेवन और रणनीति**

भारतीय टीम में कुछ बदलाव देखे जा सकते हैं। कप्तान शुभमन गिल और कोच गौतम गंभीर इस मौके का फायदा उठाते हुए तीन तेज़ गेंदबाज और दो स्पिनर्स के कॉम्बिनेशन पर विचार कर सकते हैं। रविचंद्रन अश्विन और रवींद्र जडेजा दोनों सूखी पिच पर खतरनाक हो सकते हैं। इंग्लैंड की तैयारियां और ध्यान

रखने योग्य खिलाड़ी इंग्लैंड की टीम अपने घरेलू मैदान पर बेहद मजबूत मानी जाती है। बेन स्टोक्स की अगुआई में इंग्लैंड की टीम आक्रामक 'बाज़बॉल' स्टाइल में बल्लेबाज़ी करना चाहती है, जहां बल्लेबाज़ शुरुआत से ही रन गति को तेज़ रखने का प्रयास करते हैं।

**ध्यान रखने योग्य इंग्लिश खिलाड़ी:**

जो रूट: लीड्स उनका घरेलू मैदान है और इस पिच को वे अच्छे से समझते हैं।

ओली पोप: मिडल ऑर्डर में तेजी से रन बनाना जानते हैं।

**टॉस का महत्व और पहली पारी का असर**

लीड्स टेस्ट में टॉस बेहद अहम साबित हो सकता है। जो भी टीम टॉस जीतकर पहले बल्लेबाज़ी करेगी, उसे शुरुआत में गेंदबाजों की थोड़ी मदद झेलनी पड़ सकती है, लेकिन एक बार सेट हो जाने के बाद रन बनाना अपेक्षाकृत आसान हो जाएगा। दूसरी पारी में पिच पर दरारें और टर्न बढ़ सकता है, जिससे बाद में बल्लेबाज़ी करना कठिन हो सकता है। ऐसे में स्कोर बोर्ड पर बड़ा स्कोर ही मुकाबले को तय करेगा।

## टेनिस बॉल क्रिकेट से लेकर टेस्ट क्रिकेट तक: कप्तान शुभमन गिल की प्रेरणादायक जर्नी

क्रिकेट की दुनिया में कुछ खिलाड़ी ऐसे होते हैं जो अपने हुनर और मेहनत के दम पर छोटी सी जगह से निकलकर अंतरराष्ट्रीय मंच पर छा जाते हैं। शुभमन गिल ऐसे ही एक खिलाड़ी हैं। पंजाब के एक छोटे से गांव से निकलकर उन्होंने न सिर्फ भारत के लिए खेला, बल्कि अब वह टेस्ट टीम में कप्तानी की दौड़ में भी शामिल हो चुके हैं। टेनिस बॉल क्रिकेट से लेकर टेस्ट क्रिकेट तक का उनका सफर संघर्ष, समर्पण और सपनों की कहानी है।

**शुरुआत: एक छोटे गांव से बड़ी उम्मीदें**

शुभमन गिल का जन्म 8 सितंबर 1999 को पंजाब के फाजिल्का जिले के चक खेड़ा गांव में हुआ। उनके पिता लखविंदर सिंह गिल एक किसान हैं, लेकिन क्रिकेट को लेकर उनका जुनून किसी कोच से कम नहीं था। शुभमन ने बचपन में टेनिस बॉल क्रिकेट खेलते-खेलते बल्ला थामा और वहीं से उनका क्रिकेट के प्रति प्रेम गहराता गया। उनके पिता ने बेटे की प्रतिभा को पहचान लिया था। उन्होंने गांव के खेलों में ही पिच बनवाई, जहां शुभमन घंटों बल्लेबाज़ी का अभ्यास करते थे। यही नहीं, शुभमन के पिता ने परिवार समेत मोहाली शिफ्ट होने का फैसला किया ताकि बेटा अच्छे क्रिकेटिंग माहौल में पले-बढ़े।

**कोचिंग और जूनियर क्रिकेट का सफर**

मोहाली में शुभमन गिल ने पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन के क्रिकेट स्टेडियम में कोचिंग लेना शुरू किया। उन्होंने अपनी उम्र से कहीं बेहतर स्तर पर प्रदर्शन करना शुरू कर दिया था। गिल ने अंडर-14, अंडर-16 और अंडर-19 लेवल पर लगातार रन बनाए और जल्दी ही स्पेनकर्ताओं की नज़रों में आ गए। 2014 में गिल ने पंजाब के लिए विजय मर्चेंट ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन किया। 2016 में उन्होंने कुछ बिहार ट्रॉफी में 351 रन की पारी खेली, जिसने उन्हें राष्ट्रीय अंडर-19 टीम में जगह दिलाई।

**अंडर-19 वर्ल्ड कप और राष्ट्रीय पहचान**

2018 अंडर-19 वर्ल्ड कप शुभमन गिल के करियर का टर्निंग पॉइंट साबित हुआ। राहुल



द्रविड़ की कोचिंग में भारत की टीम ने यह वर्ल्ड कप जीता और गिल टूर्नामेंट के 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' बने। उन्होंने 6 पारियों में 104.50 की औसत से 372 रन बनाए। पाकिस्तान के खिलाफ सेमीफाइनल में उनकी नाबाद 102 रन की पारी को आज भी याद किया जाता है। इस प्रदर्शन ने उन्हें देशभर में एक उभरते सितारे के रूप में स्थापित कर दिया और जल्द ही IPL के दरवाजे उनके लिए खुल गए।

**IPL से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट तक**

2018 में कोलकाता नाइट राइडर्स (KKR) ने उन्हें 1.8 करोड़ रुपये में खरीदा। गिल ने आईपीएल में अपने शांत स्वभाव, टेक्नीक और क्लास के चलते सभी को प्रभावित किया। हालांकि KKR में उन्हें कभी स्थायी ओपनर नहीं बनाया गया, फिर भी उन्होंने मौकों का भरपूर फायदा उठाया। 2022 में शुभमन गिल को गुजरात टाइटंस ने खरीदा। यहीं से उनके करियर ने रफ्तार पकड़ी। 2023 के आईपीएल में उन्होंने 890 रन बनाकर ऑर्जिंग कैप जीती और टीम को फाइनल में पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। इसी प्रदर्शन ने उन्हें भारत की वनडे और टेस्ट टीम में स्थायी स्थान दिलाने में मदद की।

**टेस्ट क्रिकेट में गिल की जगह**  
शुभमन गिल ने टेस्ट डेब्यू दिसंबर 2020 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ

मेलबर्न में किया। तीसरे टेस्ट में उन्होंने 91 रनों की शानदार पारी खेलकर भारत को ऐतिहासिक गाबा टेस्ट जीतने में मदद की। इसके बाद से उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। हालांकि टेस्ट क्रिकेट में नंबर तीन पर खेलने के लिए उन्हें पुनरा की जगह लेनी पड़ी और कुछ उतार-चढ़ाव भी आए, लेकिन गिल ने धीरे-धीरे खुद को साबित किया।

**वनडे और T20 में धमाका**

गिल ने वनडे क्रिकेट में दोहरा शतक जड़कर इतिहास रच दिया। जनवरी 2023 में न्यूजीलैंड के खिलाफ उन्होंने 208 रन बनाए और सचिन तेंदुलकर, वीरेंद्र सहवाग जैसे दिग्गजों की सूची में शामिल हो गए। टी20 में भी उन्होंने 2023 में शतक लगाकर बता दिया कि वह फॉर्मेट बदलने में सक्षम हैं। उनकी बैटिंग में संयम और आक्रामकता का संतुलन देखने को मिलता है।

**नेतृत्व की ओर कदम: कप्तानी की जिम्मेदारी**

शुभमन गिल को 2023 में आयरलैंड दौरे पर भारतीय टी20 टीम की कप्तानी सौंपी गई। यह संकेत था कि बीसीसीआई उन्हें भविष्य के कप्तान के रूप में देख रही है। गिल ने युवा खिलाड़ियों को साथ लेकर अच्छी कप्तानी की और उन्हें सही दिशा दी। 2024 और 2025 में भी जब

सीनियर खिलाड़ी ब्रेक पर रहे, तब गिल को कई मुकाबलों में उपकप्तानी दी गई। अब उन्हें टेस्ट क्रिकेट की कप्तानी सौंपी गई है। शुभमन की खेल भावना और शैली गिल की बैटिंग स्टाइल को लोग विराट कोहली की तकनीक और रोहित शर्मा की टाइमिंग का मिश्रण करते हैं। वह आक्रामक नहीं, बल्कि शालीन और ठोस बल्लेबाज़ हैं। उनका फुटवर्क, शॉट सेलेक्शन और मानसिक संतुलन उन्हें बाकी खिलाड़ियों से अलग करता है। शुभमन गिल मैदान पर जितने शांत दिखते हैं, उतने ही अनुशासित और मेहनती खिलाड़ी हैं। वह सोशल मीडिया पर भी युवाओं के बीच लोकप्रिय हैं और अपने स्टाइल तथा फिटनेस के लिए जाने जाते हैं।

**भविष्य की ओर**

शुभमन गिल अभी सिर्फ 25 वर्ष के हैं और उनका पूरा करियर अभी बाकी है। भारत को उनसे आने वाले वर्षों में बहुत उम्मीदें हैं—चाहे वो टेस्ट क्रिकेट में टीम को नई ऊंचाइयों पर ले जाना हो या वर्ल्ड कप में निर्णायक भूमिका निभाना। भारत को एक तकनीकी रूप से परिपक्व, संयमित और फोकस्ड खिलाड़ी के रूप में गिल में भविष्य का लीडर मिल सकता है।

## कोहली के रिटायरमेंट के बाद नंबर-4 पर बैटिंग करेंगे गिल -हेडिंग्ले टेस्ट से पहले पंत ने किया खुलासा, बोले- मैं नंबर-5 पर खेलूंगा

भारतीय क्रिकेट में एक युग का अंत और एक नए युग की शुरुआत देखने को मिल रही है। विराट कोहली के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास के बाद अब बल्लेबाजी क्रम में बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। कोहली की जगह नंबर-4 पर कौन खेलेगा, इस सवाल का जवाब अब साफ हो गया है। हेडिंग्ले टेस्ट से पहले विकेटकीपर-बल्लेबाज़ ऋषभ पंत ने पुष्टि की है कि अब शुभमन गिल नंबर-4 पर बल्लेबाजी करेंगे और वह खुद नंबर-5 पर उतरेंगे।

यह बदलाव सिर्फ नंबरों का नहीं, बल्कि टीम इंडिया के भविष्य की नई रूपरेखा का प्रतीक भी है। आइए विस्तार से समझते हैं कि कोहली की गैरमौजूदगी में गिल को नंबर-4 की जिम्मेदारी कैसे मिली। इससे टीम पर क्या असर पड़ेगा, और ऋषभ पंत के बयान का क्या महत्व है। कोहली की विरासत और खाली हुई जगह विराट कोहली ने एक दशक से भी ज्यादा वक्त तक भारतीय टेस्ट टीम के मध्यक्रम की रीढ़ बने रहे। उनका नंबर-4 पर खेलना टीम की स्थिरता और मनोबल का बड़ा स्तंभ था। कोहली ने इस क्रम पर कई यादगार पारियां खेलीं—चाहे वह 2014 का इंग्लैंड दौरा हो या ऑस्ट्रेलिया में बॉक्सिंग डे टेस्ट—नंबर-4 की भूमिका हमेशा अहम रही। उनके रिटायरमेंट के बाद सवाल उठाना लाज़मी था कि यह अहम जगह किस सौंपी जाएगी। शुभमन गिल और श्रेयस अय्यर जैसे नाम सामने आए, लेकिन अब तस्वीर साफ हो गई है।

शुभमन गिल: भविष्य का भरोसा



शुभमन गिल को भारतीय क्रिकेट का भविष्य कहा जाता है। उन्होंने अपने टेस्ट करियर की शुरुआत ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ गाबा टेस्ट में की थी, जहां उन्होंने शानदार अर्धशतक लगाया था। इसके बाद घरेलू पिचों पर भी गिल ने कई बेहतरीन पारियां खेली हैं। पिछले कुछ समय से गिल नंबर-3 पर या ओपनर के तौर पर खेलते रहे हैं, लेकिन कोहली के जाने के बाद उन्हें नंबर-4 पर प्रमो्ट किया गया है। यह चयन टीम मैनेजमेंट का गिल पर जताया गया भरोसा दर्शाता है। गिल का तकनीकी कौशल, संयम और तेज़ रन बनाने की क्षमता उन्हें इस अहम भूमिका के लिए उपयुक्त बनाती है।

पंत का बयान: बदलाव की पुष्टि हेडिंग्ले टेस्ट से पहले मीडिया से बातचीत में ऋषभ पंत ने बताया, "अब टीम में कुछ भूमिकाएं बदली हैं। कोहली भैया के जाने के बाद हमें उनकी जगह भरनी थी। शुभमन अब नंबर-4 पर खेलेंगे और मैं नंबर-5 पर उतरूंगा। इससे मुझे थोड़ा और खुलकर खेलने का मौका मिलेगा।" पंत का यह बयान साफ करता है कि टीम मैनेजमेंट अब उन्हें

और गिल को मध्यक्रम में स्थायी भूमिका देना चाहता है। इससे पहले पंत कभी 6वें, तो कभी 7वें नंबर पर बल्लेबाजी करते रहे हैं, लेकिन अब उन्हें ऊपर भेजकर जिम्मेदारी और अवसर दोनों दिया जा रहा है।

नंबर-4 की अहमियत टेस्ट क्रिकेट में नंबर-4 का स्थान बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। यह वो क्रम है जहां बल्लेबाज़ को कभी नई गेंद से लड़ना पड़ सकता है, तो कभी मिडिल ऑर्डर में पारी को स्थिर करना होता है। यहां तकनीक, धैर्य और आक्रामकता का संतुलन ज़रूरी होता है। कोहली ने इस क्रम पर जो मानक तय किए हैं, उन्हें छुना किसी के लिए आसान नहीं होगा। मगर शुभमन गिल के पास वह क्लास, टेंपारामेंट और फिटनेस है जो उन्हें इस भूमिका में सफल बना सकता है।

गिल-पंत की जोड़ी: नई दीवार? टीम इंडिया को हमेशा एक मजबूत मिडिल ऑर्डर की ज़रूरत रही है। द्रविड़-लक्ष्मण की जोड़ी हो या कोहली-पुजारा, मिडिल ऑर्डर का स्टेबिलिटी टेस्ट जीतने के लिए बेहद अहम रहा है।

## पूर्व क्रिकेटर भज्जी का पत्नी गीता बसरा संग नया शो -पहले एपिसोड में पत्नी संग पहुंचे हिटमैन रोहित

(जालंधर), पूर्व भारतीय क्रिकेटर हरभजन सिंह, जिन्हें फैंस प्यार से 'भज्जी' कहते हैं, अब क्रिकेट के मैदान से हटकर एक नए अवतार में नज़र आएंगे। इस बार वह मनोरंजन की दुनिया में अपनी पत्नी, बॉलीवुड एक्ट्रेस गीता बसरा के साथ एक नए टॉक शो की मेज़बानी करते दिखेंगे। इस शो का नाम है 'दिल से क्रिकेट', जो क्रिकेट और उससे जुड़ी यादों, रिश्तों और खिलाड़ियों की पर्सनल जिंदगी की झलक दिखाने वाला शो है।

शो का फॉर्मेट: क्रिकेट और दिल की बातें 'दिल से क्रिकेट' नाम का यह शो सिर्फ क्रिकेट तक सीमित नहीं है।

इसमें क्रिकेट के मैदान से बाहर की बातें होंगी—जैसे खिलाड़ियों की फैमिली लाइफ, उनकी स्ट्रगल, सफलता के पीछे की कहानियां, और वह सब कुछ जो आम तौर पर कैमरे के पीछे रह जाता है। हरभजन और गीता दोनों इस शो के होस्ट हैं और इसका हर एपिसोड एक नए क्रिकेटर और उनकी फैमिली को समर्पित होगा। यह शो दर्शकों को दिखाएगा कि क्रिकेटर्स मैदान के बाहर कैसे होते हैं—बतौर पिता, पति, दोस्त और इंसान।

पहले एपिसोड में खास मेहमान: रोहित शर्मा और रितिका सजदेह इस शो के पहले एपिसोड में पहुंचे टीम इंडिया के कप्तान रोहित



शर्मा अपनी पत्नी रितिका सजदेह के साथ। यह एपिसोड बेहद खास रहा क्योंकि रोहित और रितिका आमतौर पर बहुत कम ही इस तरह के शो में साथ नज़र आते हैं। लेकिन भज्जी और गीता के साथ उनकी दोस्ती इतनी पुरानी है कि वे इस शो के पहले एपिसोड में

आना नहीं टाल सके। शो में रोहित ने कई दिलचस्प किस्से शेयर किए—जैसे उनकी पहली मुलाकात रितिका से कैसे हुई, कैसे उन्होंने क्रिकेट और रिलेशनशिप को बैलेंस किया, और कैसे रितिका ने उनके करियर के कठिन समय में उनका साथ निभाया।

# सरदार पटेल-वाजपेयी की याद में स्मृति द्वार, रामकथा पार्क का भी होगा निर्माण

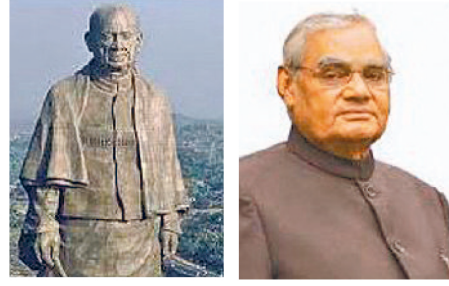
एजेसी अयोध्या

यूपी की धार्मिक नगरी अयोध्या में अब लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल और पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की स्मृति में 'स्मृति द्वार' का निर्माण कराया जाएगा। शासन ने इसकी स्वीकृति देते हुए निर्माण के लिए पहली किस्त भी जारी कर दी है। इस परियोजना से अयोध्या की आध्यात्मिक और ऐतिहासिक गरिमा और बढ़ेगी। अबेडकर मार्ग में बाकरगंज बाजार में

लौह पुरुष सरकार वल्लभभाई पटेल स्मृति द्वार व अयोध्या गोण्डा मार्ग पर पेट्रोल पंप के पास अटल बाजपेई द्वार का निर्माण कराया जाएगा। लौह पुरुष सरकार वल्लभभाई पटेल स्मृति द्वार की लागत 16.57 लाख रुपए आएगी, जिसके तहत 9.42 लाख रुपए की प्रथम किस्त अवमुक्त की जा चुकी है। अटल बिहारी वाजपेयी द्वार को लागत 17.17 लाख आएगी। जिसकी प्रथम किस्त के रूप में 10.302 लाख की धनराशि अवमुक्त कर दी गई है।

## अयोध्या को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का मेगा प्लान

### फटिक शिला पार्किंग समेत ये महत्वपूर्ण कार्य प्रस्तावित



**लौह पुरुष पटेल स्मृति द्वार की लागत 16.57 लाख**  
**अटल बिहारी वाजपेयी द्वार की लागत 17.17 लाख**

अयोध्या धाम में फटिक शिला पार्किंग का निर्माण व पर्यटकीय सुविधाओं का विकास का कार्य, रामपथ व धर्मपथ पर मिरिंजन फेज का कार्य, राम की पैड़ी पर आरती घर व पर्यटन विकास का कार्य, लता चौक के दहिने तरफ राम की पैड़ी कैनाल रोड पर धर्मपथ के समानान्तर रास्ट्र की संस्कृति को प्रदर्शित करने वाले थीम वाल का सौन्दर्यीकरण प्रस्तावित है। इसके साथ नगर निगम क्षेत्र में 17 सड़कों का निर्माण प्रस्तावित है। रीडिंग चौक से गुलाबबाड़ी तक मार्ग का चौड़ीकरण 9.50 करोड़, लामाम 33 करोड़ की लागत से रामपथ से गढ़ापुर होते हुए रायबरेली रोड तक चौड़ीकरण, 40 करोड़, देवकाली से जेल रोड का चौड़ीकरण तथा सुबुद्धीकरण, करीब 113 करोड़, नियावां चौराहे से पाटेश्वरी देवी मंदिर होते हुए रामपथ तक फोरलेन का निर्माण कार्य प्रस्तावित है। रामकथा पार्क में नवीन पर्यटक आवास गृह का निर्माण, गुलाबबाड़ी पार्क का सौन्दर्यीकरण, गुज्जाराघट में यात्रियों की सुविधा के लिए शैव व प्रकाश व्यवस्था, राजघाट के पास एम्प्लिथिएटर एवं फूड कोर्ट का कार्य किया जाएगा।

## स्वच्छता और बुनियादी सुविधाओं पर विशेष ध्यान

यूपी सरकार ने स्वच्छता और बुनियादी सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया है। इसके तहत 351 करोड़ रुपये की लागत से 27 हजार घरों को सीवर लाइन से जोड़ा जाएगा, जिससे शहर की स्वच्छता और जनस्वास्थ्य में सुधार होगा। साथ ही नियावां से पाटेश्वरी मंदिर होते हुए रामपथ तक फोरलेन सड़क का निर्माण होगा, जो यातायात को सुगम बनाएगा और तीर्थयात्रियों की सुविधा बढ़ाएगा। इसके अतिरिक्त, नगर निगम क्षेत्र में अन्य सड़कों के निर्माण और सौन्दर्यीकरण का कार्य भी प्रस्तावित है, जो अयोध्या को आधुनिक और आकर्षक रूप प्रदान करेगा।

## कनाडा में जी-7 शिखर सम्मेलन के आउटरीच सत्र को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने दुनिया को दिया यह बड़ा संदेश

## भारत के पड़ोस में आतंकवाद का ब्रीडिंग ग्राउंड, इसका समर्थन करने पर चुकानी पड़ेगी कीमत, मानवता का आघात बताया

### ऊर्जा सुरक्षा को बताया भविष्य की पीढ़ियों के सामने आने वाली प्रमुख चुनौती

रॉयल पत्रिका

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कनाडा के कनानसकीस में आयोजित किए गए जी-7 शिखर सम्मेलन के आउटरीच सत्र को संबोधित करते हुए जहां ऊर्जा सुरक्षा को भावी पीढ़ियों के सामने आने वाले प्रमुख चुनौतियों में से एक बताया। वहीं, आतंकवाद के मुद्दे पर समूची दुनिया को एक बड़ा और सबकी आंखें खोलने वाला महत्वपूर्ण संदेश दिया। जिसमें उन्होंने पाकिस्तान का नाम लिए बगैर कहा कि भारत के पड़ोस में आतंकवाद का ब्रीडिंग ग्राउंड है। यदि कोई भी देश आतंकवाद का समर्थन करता है। तो उसे इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी। उन्होंने कहा, आतंकवाद मानवता का दुश्मन है। इस पर दोहरे मापदंडों का कोई स्थान नहीं होना चाहिए। प्रधानमंत्री ने आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक लड़ाई को मजबूत करने का आह्वान किया। इस सत्र का विषय 'ऊर्जा सुरक्षा: बदलती दुनिया में पहुंच और

सामर्थ्य सुनिश्चित करने के लिए विविधीकरण, प्रौद्योगिकी और बुनियादी ढांचा' रखा गया था। सत्र में भाग लेने और उसके साथ ही दुनिया के कई देशों के राष्ट्राध्यक्षों के साथ हुई द्विपक्षीय मुलाकात के बाद प्रधानमंत्री क्रोएशिया पहुंचे। जो कि उनकी बीते 15 जून से शुरू हुई विदेश यात्रा का तीसरा और अंतिम पड़ाव है। यह जानकारी विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर दी।

### आतंकी हमले की निंदा पर जताया आभार

मंत्रालय ने बताया, पीएम ने अपने संबोधन में 22 अप्रैल को पड़ोस में हुए पाकिस्तान समर्थित आतंकी हमले का जिक्र करते हुए कहा कि भारत ने हाल ही में एक क्रूर और कार्यातृपूर्ण आतंकी हमले का सामना किया है। यह हमला केवल पहलगाय पर ही नहीं था। बल्कि हर भारतीय की आत्मा, अस्मिता और गरिमा पर भी सीधा हमला था। पीएम ने इसे

पूरी मानवता पर आघात बताया। साथ ही सम्मेलन में मौजूद दुनिया के तमाम शीर्ष नेताओं से कहा कि आप सभी मित्रों ने जिन कड़े शब्दों में पहलगाय हमले की निंदा की और अपनी संवेदनाएं प्रकट की। उसके लिए मैं आपका आभार व्यक्त करता हूं।

### आतंकवाद पर उठाए गंभीर सवाल

प्रधानमंत्री ने आतंकवाद को लेकर कुछ गंभीर सवाल उठाते हुए कहा कि क्या हम आतंकवाद को लेकर गंभीर हैं भी या नहीं? क्या हमें आतंकवाद का मतलब सिर्फ तब समझ आएगा जब वो हमारे घर के दरवाजे पर दस्तक देगा? क्या आतंकवाद फैलाने वाले को और आतंकवाद से पीड़ित को एक ही तराजू में रख कर देखा जाएगा? क्या हमारे वैश्विक संस्थान एक मजाक बनकर रह जायेंगे? उन्होंने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि यदि हमने आज मानवता के विरुद्ध खड़े इस आतंकवाद के खिलाफ निष्पक्ष कदम नहीं उठाए। तो इतिहास हमें कभी माफ नहीं करेगा। निजी हितों के लिए आतंकवाद को मुक्त सहमति देना, आतंक या आतंकीयों का साथ

### देना, पूरी मानवता के साथ विश्वासघात है। आतंकवाद के समर्थक सम्मान के हकदार नहीं

प्रधानमंत्री ने कहा कि लोकतांत्रिक मूल्यों में विश्वास रखने वाले सभी देश आतंकवाद के विरोधी हैं। इसके खिलाफ लड़ाई में एकजुटता अनिवार्य है। भारत के पड़ोस में आतंकवाद का ब्रीडिंग ग्राउंड है। वैश्विक शांति और समृद्धि के लिए हमारी सोच और नीति स्पष्ट होनी चाहिए। अगर कोई भी देश आतंकवाद का समर्थन करता है तो उसे इसकी कीमत चुकानी होगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि दुर्भाग्यवश वास्तविकता इसके बिलकुल उलट है। एक ओर तो हम अपनी पसंद-नापसंद के तहत भांति- भांति की पाबंदियां लगाते हैं देर नहीं करते। दूसरी ओर जो देश खुलेआम आतंकवाद का समर्थन करते हैं। उन्हें पुरस्कृत करते हैं। पीएम ने स्पष्ट किया कि भारत ने खंबे अपने हितों से ऊपर उठकर मानवता के हित में काम किया है। हम आगे भी सभी विषयों पर जी-7 के साथ अपना संवाद और सहयोग जारी रखेंगे।

### वैश्विक दक्षिण की ओर दिलाया दुनिया का ध्यान

उन्होंने ऊर्जा सुरक्षा के विषय पर अपना पक्ष रखते हुए कहा कि समावेशी विकास को लेकर भारत प्रतिबद्ध है। उपलब्धता, पहुंच सामर्थ्य और स्वीकार्यता ऐसे सिद्धांत हैं जो इस विषय को लेकर भारत के दृष्टिकोण को रेखांकित करते हैं। उन्होंने बताया कि भले ही भारत दुनिया की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था हो। लेकिन हमने अपनी पेरिस प्रतिबद्धताओं को सफलतापूर्वक पूरा किया है। दुनिया के विभिन्न भागों में जारी संघर्षों ने वैश्विक दक्षिण के देशों पर बहुत बुरा प्रभाव डाला है। भारत इनकी आवाज को वैश्विक मंच पर उठाना अपनी जिम्मेदारी समझता है। उन्होंने कहा कि अगर अंतरराष्ट्रीय समुदाय एक स्थायी भविष्य के बारे में गंभीर है। तो दुनिया के लिए वैश्विक दक्षिण की प्राथमिकताओं और चिंताओं को समझना जरूरी है। पीएम ने प्रौद्योगिकी, एआई और ऊर्जा के बीच संबंधों के विषय पर भी बात की। एआई के युग में महत्वपूर्ण खोजों को सुरक्षित और लचीली आपूर्ति श्रृंखला का होना महत्वपूर्ण है। भारत में प्रचुर मात्रा में मौजूद गुणवत्तापूर्ण और विविध डेटा जिम्मेदार एआई के लिए अहम है। प्रौद्योगिकी वाली दुनिया में टिकाऊ भविष्य के लिए देशों के बीच नजदीक सहयोग की आवश्यकता है। इसकी प्राप्ति के लिए लोगों और यह को प्रगति के केंद्र में रखा जाना चाहिए।

## संबंधों में स्थिरता बहाल करने के लिए दोनों देश संतुलित, रचनात्मक कदम उठाने पर हुए राजी

भारत और कनाडा की राजधानियों में जल्द होगी उच्चायुक्तों की नियुक्ति

# जी-7 से इतर हुई भारत और कनाडा के प्रधानमंत्रियों के बीच द्विपक्षीय बैठक

रॉयल पत्रिका

खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद से भारत और कनाडा के संबंधों में जमी हुई बर्फ भविष्य में पिघलती हुई नजर आएगी। इसका सबसे बड़ा कारण जी-7 शिखर सम्मेलन से इतर बुधवार को कनानसकीस में भारत और कनाडा के राष्ट्राध्यक्षों के बीच हुई एक महत्वपूर्ण द्विपक्षीय बैठक है। जिसमें दोनों नेताओं ने साझा लोकतांत्रिक मूल्यों, कानून के शासन के सम्मान और संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता के सिद्धांतों को बनाए रखने की प्रतिबद्धता के आधार पर दोनों देशों के संबंधों के महत्व पर बल दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मार्क कार्नी संबंधों में स्थिरता बहाल करने के लिए संतुलित और रचनात्मक कदम उठाने पर सहमत हुए। जिसकी शुरुआत एक-दूसरे के देशों की राजधानियों में उच्चायुक्तों की शीघ्र वापसी से होगी।



दोनों देशों के संबंधों के महत्व पर बल दिया

कार्यस्तरीय संबंधों को पुनः शुरू करने के महत्व पर भी बल दिया गया।

### संपर्क में रहेंगे और जल्द मिलेंगे मोदी-कार्नी

प्रधानमंत्री मोदी और मार्क कार्नी ने भारत और कनाडा के लोगों के बीच मजबूत संबंधों का उल्लेख करते हुए परस्पर लाभ के लिए इस जीवंत संतु का फायदा उठाने पर सहमति व्यक्त की। दोनों ने एक-दूसरे के संपर्क में रहने पर भी सहमति प्रदान की और जल्द से जल्द फिर से मिलने की उम्मीद जताई। दोनों नेताओं ने यह भी स्वीकार किया कि जी-7 शिखर सम्मेलन में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। भारत, कनाडा जलवायु कार्रवाई, समावेशी-सतत विकास जैसी वैश्विक प्राथमिकताओं पर रचनात्मक रूप से मिलकर काम करने के इच्छुक हैं।

### इन विषयों पर भी हुई चर्चा

दोनों के बीच स्वच्छ ऊर्जा, डिजिटल परिवर्तन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, एलएनजी, खाद्य सुरक्षा, महत्वपूर्ण खनिज, उच्च शिक्षा, गतिशीलता और मजबूत आपूर्ति श्रृंखला जैसे तमाम क्षेत्रों में सहयोग के अवसरों पर भी विचार-विमर्श किया गया। एक स्वतंत्र और खुले हुए हिंद-प्रशांत क्षेत्र को बढ़ावा देने में दोनों नेताओं ने अपनी साझा रुचि जाहिर की। व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते (सीडीपीए) का मार्ग प्रशस्त करने के उद्देश्य से प्रारंभिक प्रगति व्यापार समझौते (डीपीटीए) पर रुकी हुई बातचीत को फिर से शुरू करने पर चर्चा की। इस संबंध में आगे बढ़ने के लिए अपने-अपने अधिकारियों को कार्य सौंपने पर पीएम मोदी और पीएम कार्नी ने अपनी सहमति व्यक्त की।

### चिंताओं के लिए आपसी सम्मान जरूरी

मंत्रालय ने बताया कि दोनों शीर्ष नेताओं ने बैठक में चिंताओं और संवेदनशीलताओं के लिए आपसी सम्मान, लोगों के बीच मजबूत संबंधों और बढ़ती आर्थिक पूरकताओं पर आधारित रचनात्मक और संतुलित साझेदारी को आगे बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया। विश्वास बहाली और संबंधों में गति लाने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में वरिष्ठ मंत्रिस्तरीय,

### विशेष विमान से गुरुवार को नई दिल्ली पहुंचेंगे 110 भारतीय छात्र

## ईरान से 'ऑपरेशन सिंधु' से होगी भारतीयों की सुरक्षित स्वदेश वापसी



रॉयल पत्रिका

इजरायल के साथ युद्ध के बीच ईरान में फंसे हुए भारतीय नागरिकों की सुरक्षित स्वदेश वापसी के लिए बुधवार को विदेश मंत्रालय ने ऑपरेशन सिंधु की शुरुआत कर दी है। मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि बीते कुछ दिनों में ईरान और इजरायल के बीच जारी युद्ध की वजह से तेजी से बिगड़ते हालात के बीच सरकार ने कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। जिसमें सबसे पहले तेहरान में भारतीय दूतावास ने उत्तरी ईरान से सड़क मार्ग से 110 भारतीय छात्रों को बीते मंगलवार को आर्मेनिया पहुंचाया था। जो कि ईरान

और आर्मेनिया में हमारे मिशन की निगरानी में आर्मेनिया की राजधानी येरेवन पहुंचे। जिसके बाद बुधवार देर रात करीब 2 बजकर 55 मिनट पर एक विशेष विमान से यह भारतीय छात्र नई दिल्ली के लिए उड़ान भरेंगे। इनके गुरुवार तड़के भारत पहुंचने की संभावना है। भारत सरकार अपने नागरिकों की सुरक्षित वतन वापसी में मदद पहुंचाने के लिए ईरान और आर्मेनिया की आभारी है। मंत्रालय ने कहा कि भारत विदेश में अपने नागरिकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देता है। चुनौतीपूर्ण हालात के बीच ईरान में विभिन्न जगहों पर मौजूद भारतीय

नागरिकों के साथ हमारा दूतावास लगातार संपर्क में बना हुआ है। उन्हें हर जरूरी मदद प्रदान की जा रही है। सभी से तेहरान से बाहर सुरक्षित स्थानों पर जाने का अनुरोध भी किया गया है। विदेश मंत्रालय ने राजधानी में हालात पर कड़ी निगरानी रखने के लिए एक 24 घंटे निगरानी रखने वाला एक कंट्रोल रूम भी स्थापित किया है। ईरान और इजरायल में भारतीय दूतावासों से यह कंट्रोल रूम सीधे जुड़ा हुआ है। साथ ही दोनों देशों में भारतीयों को मदद पहुंचाने के लिए 24 घंटे वाले हेल्पलाइन नंबर भी जारी किए गए हैं।

### कृषि क्षेत्र में प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और ज्ञान साझा करने पर चर्चा की गई

## भारत-यूक्रेन के बीच कृषि पर संयुक्त कार्य समूह की पहली बैठक का आयोजन

रॉयल पत्रिका

भारत और यूक्रेन के बीच कृषि पर संयुक्त कार्य समूह (जेडब्ल्यूजी) की पहली बैठक वचुअल माध्यम से आयोजित की गई। बैठक की सह-अध्यक्षता कृषि और किसान कल्याण विभाग के संयुक्त सचिव (आईसी) अजीत कुमार साहू तथा यूक्रेन की कृषि नीति एवं खाद्य उप मंत्री ओक्सना ओस्माचको ने की। यह बैठक कृषि और संबद्ध क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को विस्तार देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।



आहू ने भारत की उल्लेखनीय कृषि उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कृषि और उससे संबद्ध क्षेत्रों का अवलोकन प्रस्तुत किया। उन्होंने कृषि क्षेत्र को सशक्त बनाने के लिए सरकार द्वारा शुरू की गई कई नवीन गतिविधियों व कार्यक्रमों का उल्लेख किया, जिनमें डिजिटल समाधानों का इस्तेमाल, जलवायु-अनुकूल कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देना, जैविक शक्ति और सरकार की ऋण पहल शामिल हैं। साहू के द्वारा उल्लिखित अन्य प्रमुख कार्यक्रमों में राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन (तिलहन), राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन (दलहन) और ई-नाम शामिल हैं, जिनका उद्देश्य कृषि क्षेत्र व ग्रामीण विकास में वृद्धि को बढ़ावा देना है। ओक्सना

ओस्माचको ने भारत के साथ अपनी मूल्यवान साझेदारी को विस्तार देने के लिए यूक्रेन की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। उन्होंने खाद्य प्रसंस्करण, कृषि मशीनीकरण, डिजिटल कृषि, जीनोम संपादन, पादप प्रजनन प्रौद्योगिकी, मृदा उर्वरता और मृदा मानचित्रण जैसे कृषि क्षेत्रों में सहयोग को गहरा करने में यूक्रेन की गहरी रुचि व्यक्त की। उन्होंने कहा कि दोनों देश अपने समृद्ध कृषि अनुभव के साथ उत्पादकता बढ़ाने, मशीनीकरण को बढ़ावा देने और किसानों के कल्याण में सुधार करने में सहयोग, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, ज्ञान साझाकरण, क्षमता निर्माण, अनुसंधान सहयोग और बाजार पहुंच सहित अन्य प्रमुख मुद्दों पर चर्चा की। बैठक में कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, मत्स्य पालन विभाग, पशुपालन और डेयरी विभाग, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय, भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) तथा विदेश मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हुए।

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा है कि भारत-फ्रांस के दीर्घकालिक और बहुआयामी रणनीतिक संबंधों से दोनों देशों स्वतंत्रता समानता और भाईचारे की भावना का विकास हुआ है। देवनानी ने पश्चिमी यूरोप में स्थित फ्रेंच रिपब्लिक (République Française) की राजधानी पेरिस में स्थित संसदीय और प्रशासनिक संस्थानों का दौरा किया। उन्होंने नेशनल असेंबली का अवलोकन किया। देवनानी ने 551,695 वर्ग किमी क्षेत्रफल वाले इस देश की भौगोलिक स्थिति, बहुसांस्कृतिक भूमिका को समझा। इस अवसर पर देवनानी ने पेरिस में फ्रांस की नेशनल असेंबली के वरिष्ठ सांसद और भारत फ्रांस मैत्री समूह के अध्यक्ष थिएरी टेशन और

अन्य प्रतिनिधियों से औपचारिक संवाद में कहां की भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अन्य देशों से आतंकवाद के खिलाफ सहयोग और काउंटर टेररिज्म पर एक मत होने की आवश्यकता प्रतिपादित की है। देवनानी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की 10 से 12 फरवरी को हुई फ्रांस यात्रा के दौरान भारत और फ्रांस के मध्य परमाणु और एआई से संबंधित महत्वपूर्ण विषयों पर 10 एमओयू हुए हैं। देवनानी ने बताया कि फ्रांस में भारत के 10 हजार छात्र-छात्राएं अध्ययन कर रहे हैं, अब दोनों देशों के मध्य तय हुआ है कि यह संख्या अब बढ़कर 30 हजार की जाएगी। भारत-फ्रांस संसदीय मैत्री समूह के अध्यक्ष से गहन विमर्श के दोनो देशों के मध्य रक्षा सहयोग

नई ऊँचाइयों पर पहुँच चुका है। उन्होंने यह भी बताया कि फ्रांस में नियमित रूप से हो रहे संयुक्त सैन्य अभ्यास दोनों सेनाओं की संयुक्त क्षमताओं को मजबूत कर रहे हैं। स्मार्ट सिटीज, इंडो-प्रशांत कॉरिडोर, पर्यावरणीय परिवर्तन (आईएनएस, आईएसए, सीडीआरआई) और स्टार्टअप एवं डिजिटल विज्ञान के क्षेत्रों में हुए एमओयू भारत की टेक्नोलॉजी-ड्रिवन विकास नीति को वैश्विक मंच पर स्थापित करते हैं। देवनानी ने फ्रांस में उभरते एआई और छोटे

